इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रात: संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

वर्ष- 43 अंक -169 राजनांदगांव, सोमवार 06 मई 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

रामनगरी में प्रधानमंत्री मोदी का निकला रोड शो, पीएम के आगमन पर हर्षित हो उठे अयोध्यावासी

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को रामनगरी आगमन पर अयोध्यावासी में भारी उत्साह रहा। पीएम के रोड शो को देखने के लिए अयोध्या में लोगों के बीच काफी उत्साह का माहौल देखा गया। उनके कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा एजेंसियां काफी सतर्क रहीं। पीएम ने रोड शो के बाद एक्स पर ट्वीट करते हुए कहा कि अयोध्यावासियों का हृदय भी प्रभु श्री राम जैसा विशाल है।

पीएम के आने से तीन दिन पहले ही उनका विशेष सुरक्षा दस्ता यहां पहुंच गया था। एसपीजी की देखरेख में पीएम की सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए गए हैं। प्रधानमंत्री यहां करीब दो घंटे रहे। शाम साढ़े छह बजे से आठ बजे तक पीएम का राममंदिर में दर्शन पूजन और रोड शो का कार्यक्रम रहा। पीएम ने पहले रामलला का दर्शन किए और बाद में रोड शो आरंभ किया। सुग्रीव किला से लता चौक तक एक घंटे के रोडशो के बाद वह एयरपोर्ट वापस आए।

कार्यक्रम स्थल श्रीराम जन्मभूमि पहुंचने के बाद सीएम योगी का करीब आधे घंटे का समय आरक्षित रहा। पीएम की अगुवानी के बाद सीएम उनके साथ-साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री के आवागमन मार्ग पर बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए एयरपोर्ट से लेकर अयोध्याधाम जंक्शन तक सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। पीएम के आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए पूरे मार्ग के किनारे बैरीकेडिंग रही।

रोड शो मार्ग पर ड्रोन से भी निगरानी की गई। ड्यूटी प्वाइंटों पर सुरक्षा कर्मी तैनात रहे। इसके अतिरिक्त सादे वस्त्रों में भी पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई । पीएम के आगमन के समय आवागमन मार्ग पर सामान्य वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया था।

पुंछ आतंकी हमले में सुरक्षाबलों का एक्शन, 6 लोगों को लिया हिरासत में

आतंकवादियों की मदद करने का संदेह

पुंछ (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायु सेना के काफिले पर हुए हमले के संबंध में पूछताछ के लिए सुरक्षाबलों ने छह स्थानीय लोगों को हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक, इन स्थानीय लोगों पर हमले में आतंकियों की मदद करने का संदेह है। हमले में पांच जवान घायल हुए थे, जिन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर के अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान एक जवान की मौत हो गई।

हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में शनिवार शाम 6 बजकर 15 मिनट पर हुआ। चार आतंकियों ने सनाई टॉप जा रही सुरक्षाबलों की दो गाड़ियों पर फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। हमले के बाद आतंकवादी जंगल में भाग गए। उनके हाथ में एके असॉल्ट राइफल्स थी। एयरफोर्स की स्पेशल गरुड़ फोर्स, आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस सर्च ऑपरेशन कर रही हैं। पुंछ, राजौरी-अनंतनाग लोकसभा सीट में आता है। यहां छठे फेज में 25 मई को वोटिंग है।

वायुसेना के काफिले पर हमले के पीछे के आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान दूसरे दिन भी जारी है। इसके मद्देनजर सुरक्षाबलों ने आतंकियों की मदद के शक में पूछताछ के लिए छह स्थानीय लोगों को हिरासत में लिया है। *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

'मैं राम मंदिर गई तो पार्टी में खूब विरोध हुआ', अध्यक्ष खरगे को लिखे पत्र में बोलीं राधिका खेड़ा

रायपुर। अरविंदर सिंह लवली के कांग्रेस छोड़ने के दूसरे ही दिन एक और कांग्रेस नेता ने पार्टी का साथ छोड़ दिया है। कांग्रेस की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर और तेज तर्रार प्रवक्ता रहीं राधिका खेड़ा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा सौंपा। खरगे को लिखे पत्र में खेड़ा ने कहा कि उन्होंने अयोध्या में भगवान राम का दर्शन किया था। पार्टी के नेता इससे खफा हो गए और पार्टी नेताओं ने मेरा कड़ा विरोध किया। कोई मेरा साथ नहीं दे रहा है। इसीलिए वे कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हैं।

आज भगवान राम का नाम लेने वालों का विरोध किया जा रहा

राधिका खेड़ा ने अपने पत्र में कहा है कि आदिकाल से ही धर्म का साथ देने वालों का विरोध होता रहा है। आज भी यह जारी है। रावण और कंस तक इसके उदाहरण हैं कि किस तरह उन्होंने भगवान का साथ देने वालों का विरोध किया। उसी तरह आज भगवान राम का नाम लेने वालों का विरोध किया जा रहा है। उन्होंने लिखा कि हर हिंदू के लिए प्रभु राम की जन्मस्थली की पवित्रता बहुत मायने रखती है और रामलला का दर्शन करना हर सनातनी अपना सौभाग्य मानता है। लेकिन कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

घटना के बारे में शीर्ष नेताओं को कई बार अवगत कराया

उन्होंने अपने इस्तीफा पत्र में लिखा कि जब उन्होंने राम मंदिर के दर्शन किए तो इसका कांग्रेस के अंदर इतना विरोध किया गया कि कोई उनका साथ देने को तैयार नहीं हुआ।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस कार्यालय में उनके साथ हुए अभद्र व्यवहार के बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिल सका। उन्होंने लिखा है कि उन्होंने अपने साथ घटी घटना के बारे में पार्टी के शीर्ष नेताओं को कई बार अवगत कराया। बावजूद इसके इंसाफ नहीं हुआ। उन्होंने प्रियंका गांधी की 'टैगलाइन लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का हवाला देते हुए कहा कि वे अपने लिए लड़ेंगी और न्याय प्राप्त करेंगी।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को आरक्षण की सीमा हटाने की चुनौती दी, कहा - कांग्रेस सत्ता में आई तो इसे समाप्त करेगी

निर्मल (आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाने की चुनौती देते हुए रविवार को कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो वह इस सीमा को समाप्त कर देगी।

तेलंगाना के आदिलाबाद लोकसभा क्षेत्र के निर्मल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी आरक्षण के खिलाफ हैं और इसे समाप्त करना चाहते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, नरेंद्र मोदी को देश से यह वादा करना चाहिए कि वह 50 प्रतिशत की सीमा हटा देंगे क्योंकि कांग्रेस ऐसा करने वाली है। नरेंद्र मोदी ने अब तक अपने किसी भी भाषण में नहीं कहा है कि वह आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा समाप्त करेंगे।

आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा करने को देश के समक्ष सबसे बड़ा मुद्दा बताते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में ओबीसी, दलितों और जनजातीय लोगों के साथ न्याय करने का वादा किया है। उन्होंने दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) संविधान को समाप्त करना चाहते हैं। संविधान की एक प्रति लहराते हुए उन्होंने कहा, यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच है। एक तरफ कांग्रेस संविधान को बचाने की कोशिश कर रही है तो दूसरी तरफ भाजपा और आरएसएस संविधान को समाप्त कर गरीबों को दिये गये अधिकार छीनना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने कहा है कि यदि वे सत्ता में आये तो संविधान बदल देंगे। यदि संविधान बदला गया तो आरक्षण भी समाप्त हो जायेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पिछड़ों, दलितों और जनजातीय लोगों का विकास नहीं चाहती है। राहुल गांधी ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना में अपनी गारंटियों को पूरा किया है और पूरे देश में इसी तरह की गारंटियां पूरी करने की उसकी योजना है।

राहुल गांधी ने कहा कि गरीब परिवार की हर महिला को हर महीने 8,500 रुपये दिये जायेंगे। यह तेलंगाना में महिलाओं को मिलने वाले मासिक 2,500 रुपये के अतिरिक्त होगा। प्रधानमंत्री पर युवाओं को बेरोजगार बनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहली नौकरी पक्की की गारंटी दी है जिसमें मनरेगा की तरह ही स्नातकों को रोजगार की गारंटी मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 30 लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं। स्नातक और डिप्लोमा डिग्रीधारकों को एक साल के लिए एक लाख रुपये *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

हमास की युद्धविराम की मांग अस्वीकार्य :नेतन्याहू

तेल अवीव। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को पुष्टि की कि उनकी सरकार हमास के साथ युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार है, जिस पर उन्होंने अस्वीकार्य मांग करने का आरोप लगाया है।

श्री नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश में कहा, ÷हमास लगातार अत्यधिक मांगें कर रहा है। उनकी मुख्य मांग है कि हम गाजा पट्टी से अपने सभी सैनिकों को वापस ले लें, युद्ध समाप्त करें और हमास को अकेला छोड़ दें। इज़रायल इन शर्तों को स्वीकार नहीं कर सकता है।

श्री नेतन्याहू ने कहा कि हमास के साथ नवीनतम दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता के दौरान, इजरायली सरकार ने रियायतें देने की अपनी तत्परता प्रदर्शित की, जिसे अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने उदार बताया।

इसके बावजूद, इजरायली प्रधान मंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार गाजा में अपने सैन्य लक्ष्यों को कभी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि गाजा से इजरायल की वापसी का मतलब इजरायल का आत्मसमर्पण होगा और हमास, ईरान के लिए एक बड़ी जीत होगी।

राज्य में सभी सीटों पर मिलेगी जीत : सीएम साय

रायपुर (दावा)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण से एक दिन पहले प्रदेश की 11 में से 11 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा किया. उन्होंने कहा कि प्रदेश में तीसरे और अंतिम चरण के चुनाव में बीजेपी के पक्ष में एक अच्छा वातावरण है. संगठन के सभी नेताओं ने चुनाव में खूब मेहनत की है. पूरे प्रदेश में जनता के बीच गए, और जो रिस्पांस मिला गई उससे हम 11 लोकसभा सीट जीतेंगे. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा में कहा कि छत्तीसगढ़ में चुनाव समाप्ति की ओर है. पहले और दूसरे चरण का चुनाव हो चुका है. मेरे लिये यह चुनाव एक अनोखा चुनाव रहा है. मुख्यमंत्री के नाते पहली बार जनता से सीधा जुड़ने का मौका मिला है. उन्होंने कहा कि हमने 64 बड़ी जनसभा की है, और आज दो जनसभा है. इस तरह से मेरी कुल 66 सभाएं हो जाएंगी. इसके अलावा 11 लोकसभा सीट में कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग मैंने लिया. इस तरह से 45 दिन में 106 से ज्यादा बार जनता से मुखातिब होने अवसर मिला. इसके साथ केंद्र के बहुत सारे राष्ट्रीय नेताओं की सभा हुई।

भाजपा ने गौमांस बेचने वाली कंपनी से 100 करोड़ रुपए चंदा लिया : दिग्विजय सिंह

भोपाल (आरएनएस)। दिग्विजय सिंह ने दावा किया है कि भाजपा ने इलेक्टोरल बांड के नाम पर गौमांस बेचने वाली कंपनी से 100 करोड़ रुपए का चंदा लिया है। दिग्विजय सिंह राजगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री व राजगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार दिग्विजय सिंह ने साफ तौर पर भाजपा को गौ माता का विरोधी बताया है। नुक्कड़ सभा में मंच से भाषण देते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा के *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर आई सामने, 29 जून से शुरु होगी अमरनाथ यात्रा

जम्मू। इस साल अमरनाथ की दिव्यता की अनुभूति करा रहा यात्रा 29 जून से शुरू होकर 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के दिन समाप्त होगी। यात्रा शुरू होने से पहले बर्फ कटाई का काम जारी है। जिससे यात्रा के मार्ग को सुगम बनाया जा सके। पूरे मार्ग पर बर्फ जमी है। ऐसे में बर्फ को काटकर पैदल मार्ग बनाया जा रहा है। पवित्र अमरनाथ गुफा की हिम शिवलिंग की पहली तस्वीर सामने आई है, जो भगवान शिव

है। पवित्र गुफा में शिवलिंग का आकार इस बार आठ फीट ऊंचा है। हर साल सर्दी के मौसम में हुई बर्फबारी के दौरान शिवलिंग अपना आकार लेता है और मई-जून के महीने में इसके दिव्य दर्शन होते हैं। हर साल की तरह इस साल भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में बाबा अमरनाथ के दर्शन करने के लिए तैयार हैं। यह यात्रा 50 दिनों तक चलेगी।

राजनीति की पिच पर कंगना हुई हिट विकेट, तेजस्वी यादव की जगह बोल गई कुछ और हीं...

नई दिल्ली (आरएनएस)। कंगना बॉलीवुड में भले ही एक बड़ा नाम है लेकिन राजनीति के क्षेत्र में वो अभी काफी नई है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा ने उन्हें उम्मीदवार बनाया है और वो लगातार कांग्रेस के साथ ही इंडी एलायंस पर हमलवार भी है। हालांकि ये भी सच है कि कंगना अभी इस फिल्ड में नई है और इसके एक नया उदाहरण देखनो को भी मिला है। कंगना का एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है जिस पर लोग मजेदार तरह से प्रतिक्रया दे रहे हैं।

क्या खास है वायरल वीडिया में

वायरल हो रहे इस वीडियो में वीडियो में कंगना अपने संबोधन में गलती से तेजस्वी यादव की जगह तेजस्वी सूर्या का नाम लेते हुई दिखाई दे रही हैं। जाहिर सी बात है कि उनके निशान में बिहार के कद्दावर नेता तेजस्वी यादव थे लेकिन उन्होंने गलती से इसकी जगह तेजस्वी सूर्या के नाम ले लिया। वीडियो के वायरल होने के बाद राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रिएक्शन दिया है. उन्होंने कंगना पर तंज कसते हुए लिखा- ये मोहतरमा कौन है....

शहजादों पर निशाना साध रही थी कंगना

वायरल हो रहे इस वीडियो में कंगना एक बार फिर से अपने जाने पहचाने अंदाज में विरोधी दलों के नेताओं पर हमला कर रही थी।कंगना रनौत कह रहीं थीं कि इन शहजादों को खुद नहीं पता कि ये कहां आ रहे हैं या कहां जा रहे हैं। ये इस तरह के शहजादों की पार्टी है. चाहे राहुल गांधी हों या कोई औरज्इस बीच कंगना की जुबान फिसली और उन्होंने तेजस्वी यादव की जगह तेजस्वी सूर्या का नाम ले लिया और कहा कि वे गुंडागर्दी करते हैं और मछली उछाल-उछालकर खाते हैं।

'पीएम मोदी ने बहुमत का प्रयोग राम मंदिर निर्माण और अनुच्छेद-370 को हटाने में किया', तेलंगाना में अमित शाह ने साधा कांग्रेस पर निशाना

हैदराबाद। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि संसद में एक भी भाजपा सांसद के रहने तक अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण खत्म नहीं होगा। मोदी सरकार 10 साल से स्पष्ट बहुमत है लेकिन उसने इसका प्रयोग आरक्षण हटाने में बल्कि राम मंदिर का निर्माण कराने, तीन तलाक खत्म करने और कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने में किया। उन्होंने कांग्रेस के 400 सीटें मिलने पर भाजपा द्वारा आरक्षण खत्म करने के दावे पर यह प्रतिक्रिया दी।

तेलंगाना के कागजनगर और निजामाबाद में चुनावी रैली में शाह ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलकर चुनाव लड़ती है। इंटरनेट मीडिया पर अपने छेड़छाड़ किए गए वीडियो को प्रसारित किए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भी इस वीडियो को अन्य लोगों को भेजा।

रेड्डी के दिल्ली पुलिस के उनके पीछे पड़ने के आरोप पर उन्होंने पूछा कि फर्जी वीडियो बनाया जाएगा तो और क्या होगा? मुस्लिम आरक्षण पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में कटौती कर मुस्लिमों को दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने तीन तलाक खत्म किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहते हैं कि उनकी पार्टी सत्ता में आने पर तीन तलाक वापस लाएगी। कांग्रेस देश को मुस्लिम पर्सनल ला के हिसाब से चलाना चाहती है।

कांग्रेस ने पीएम मोदी और अमित शाह से '10 सवालों' के मांगे जवाब, भाजपा पर लगाया गंभीर आरोप

बेलगावी (कर्नाटक)। कर्नाटक में एनडीए उम्मीदवार और हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित अश्लील वीडियो मामले पर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से '10 सवालों' के जवाब की मांग की है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और जनता दल (सेक्युलर) के नेता 'सामूहिक दुष्कर्मी को बचा रहे हैं।'

पीएम मोदी को थी 'मामले की जानकारी'

बेलगावी में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

कांग्रेस ने पीएम मोदी और अमित शाह से पूछे ये 10 सवाल

0 जनता दल (सेक्युलर) से हाथ क्यों मिलाया?
0 प्रज्वल रेवन्ना को भाजपा और जनता दल का उम्मीदवार क्यों बनाया?
0 पीएम मोदी ने हासन का दौरा क्यों किया और हाथ उठाकर कहा कि प्रज्वल रेवन्ना की जीत से उन्हें और ताकत मिलेगी?
0 सब कुछ जानने के बाद भी मोदी जी, अमित शाह जी, बीजेपी और जेडीएस ने प्रज्वल रेवन्ना के बारे में यह सच्चाई क्यों छिपाई?
0 जब प्रज्वल रेवन्ना भारत से बाहर भागने की कोशिश कर रहा था, तो क्या मोदीजी के विदेश मंत्रालय या पासपोर्ट नियंत्रण बोर्ड को नहीं पता था कि एक सामूहिक दुष्कर्मी देश से भाग रहा है? मोदी-जी और अमित शाह-जी ने उसे भागने की अनुमति क्यों दी?
0 एसआईटी ने सीबीआई और मोदी सरकार को पत्र लिखा, मोदी जी या अमित शाह जी ने इसका जवाब क्यों नहीं दिया?
0 मुख्यमंत्री ने प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द अभी तक क्यों नहीं किया गया?
0 हमारी एसआईटी ने सीबीआई को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि वह इंटरपोल से ब्लू-कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए कहे ताकि हमें पता चल सके कि वह कहां है। मोदी जी ने ऐसा क्यों नहीं किया?
0 अगर कोई सामूहिक दुष्कर्मी देश छोड़कर भाग जाता है, तो उसे वापस लाने की जम्मिदारी किसे लेनी चाहिए? राज्य सरकार या केंद्र सरकार? अगर यह केंद्र सरकार का काम है, तो मोदी-जी और अमित शाह-जी क्या कर रहे हैं?
0 आखिर प्रधानमंत्री मोदी प्रज्वल रेवन्ना से सवाल पूछने से इतना क्यों डरते हैं?

सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की है और इसे सुनिश्चित करने के लिए सीएम को पत्र लिखा है, साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री शाह से उनके 10 सवालों का जवाब देने का आग्रह किया है।

घटिया क्वालिटी की आ रही शराब, नशा नहीं होने की शिकायत

प्रति बोतल दस से बीस रूपए अधिक ले रहे दाम... मदिरा प्रेमियों में निराशा

राजनांदगांव (दावा)। शहर में रेवाडीह सहित मोहारा रोड में दो शराब की दुकानें संचालित है, लेकिन इन दुकानों में स्पेशल ब्रांड की शराब नहीं मिलने तथा यहां बेचे जाने वाले शराब में नशा नहीं होने की शिकायत है। इसके चलते मदिरा प्रेमियों में निराशा व्याप्त है। बताया जाता है कि इन शराब भट्ठियों में देशी दारू व अंग्रेजी शराब भी बेची जाती है लेकिन इनमें स्पेशल ब्रांड की शराब नहीं होती।

केवल लोकल ब्रांड की मास्टर, सीजी व जम्बो दारू ही मिलती है। जिसे एक-एक, डेढ़-डेढ़ पाव पीने पर भी नशा नहीं होता। मंदिरा प्रेमियों ने बताया कि इन लोकल शराब की कीमत जबकि 120 से लेकर 130 रूपए पौवा है। स्पेशल आईबी की शराब 300 रूपए पौवा है, लेकिन इन शराबों में नाम मात्र का नशा नहीं है। किन्तु मजबूरी में इन्हें उक्त शराब पीनी पड़ रही है। बताया जाता है कि ज्यादा नशा नहीं होने से नशा के लिए दो-दो, तीन-तीन पौवा खरीदना पड़ रहा है। इससे उनके जेब पर भार पड़ रही है।

सेल्समैन ओव्हर रेट पर बेच रहे शराब

इधर शराब प्रेमियों पर एक और गाज गिर गया है। प्रदेश भर में नए वित्तीय वर्ष से शराब की कीमते 40 रूपए से लेकर 120 रूपए तक बढ़ा दी गई है। नई कीमते एक अप्रैल से लागू भी हो गई है। जानने में आ रहा है कि सरकारी शराब दुकानों में मदिरा प्रेमियों से इससे भी अधिक पैसा लिया जा रहा है। राजनांदगांव की शराब दुकानों सहित खैरागढ़ और मोहला-मानपुर जिले में शराब की दुकानों में प्रति बोतल के पीछे लोगों से 10 से 20 रूपये अधिक लिए जा रहे है। जबकि अप्रैल माह में कीमते बढ़ने के बाद भी बोतल में पुरानी कीमते प्रिंट है। जिसके चलते लोगों को भी सही दाम की जानकारी नहीं मिल रही। लोगों की इस सम्बंध में लगातार शिकायत के बाद भी आबकारी विभाग कोई कार्रवाई करने से बचता नजर आ रहा है।

पंसदीदा ब्रांड की बोतल नहीं

एक मदिरा प्रेमी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उसने एक व्हिस्की की बोतल दुकान से खरीदी, जिसकी कीमत 1020 रूपए है लेकिन उससे दूकानदार ने 20 रूपए अधिक लिए। इसके अलावा पंसदीदा ब्रांड की बोतलें भी लोगों को नहीं मिल पा रही। दुकान में स्टाक नहीं होने का कारण बताकर लोगों को उपलब्ध ब्रांड की बोतलें थमाई जा रही है। जिसमें नशा व क्वालीटी नहीं होती।

स्थानीय आबकारी विभाग की कुलेश्वरी देवांगन ने बताया कि शहर में बिकने वाली शराब रायपुर के केडिया व एक अन्य डिस्टलरी से आती है। सरकारी शराब दुकान में कम नशे वाली शराब मिलती है, इसकी शिकायत पर शराब की जांच कराई जाएगी। स्टाफ के लोगों ने बताया कि राजनांदगांव जिले में 16, खैरागढ़ में 8 एवं मोहला-मानपुर जिले में 4 शराब दुकानें है।

इन दुकानों के जरिए ही शराब बेची जा रही है। इस संबंध में आबकारी अधिकारी से वस्तुस्थिति जानने का प्रयास किया गया लेकिन उसकी मोबाइल आउट आफ रेज होने से बात नहीं हो पाई। बहरहाल मदिरा प्रेमियों को जहां उनके पसंदीदा शराब नहीं मिलने से देशी दारू व कम नशा वाले शराब से ही काम चलाना पड़ रहा है। वही शराब के दाम बढ़ जाने तथा 10 से 20 रूपए प्रति बोतल वसूले जाने से उनमें आक्रोश बना हुआ है।

भविष्य से खिलवाड़- नीट की परीक्षा में गलत प्रश्नपत्र से छात्रों का समय हुआ खराब, परिजनों ने किया हंगामा

बालोद (दावा)। बालोद में मेडिकल की सबसे बड़ी परीक्षा में बड़ी लापरवाही समाने आई है। छात्र छात्राओं को दो प्रश्नपत्र दिए गए। दोनों को हल कराने के बाद एक पेपर को कैंसल कराया गया। मामले को लेकर अभिभावकों ने स्कूल कैंपस में जमकर हंगामा किया। अभिभावकों ने दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग कर कहे हैं। शिक्षकों को बंधक बनाकर पालक माफीनामा मांग रहे हैं। अभिभावकों ने बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया।

मेडिकल क्षेत्र की सबसे बड़ी परीक्षा नीट के लिए पहली बार बालोद जिले में दो केंद्र बनाए गए थे और इस केंद्र में भारी लापरवाही देखने को मिली है। यहां पर बैंक से गलत एग्जाम पेपर लाकर छात्र-छात्राओं को परीक्षा देने के समय कंफ्यूज किया गया। 45 मिनट अन्य परीक्षा प्रश्न पत्र को भरने के बाद उसे कैंसल कर दूसरा पत्र भरने कहा गया उसके बाद एक्स्ट्रा समय देने की बात कही और समय भी नहीं दिया गया। परीक्षा खत्म होने के बाद पूरी बात पैरेंट्स को पता चली जिसके बाद परीक्षा केंद्र में जमकर हंगामा हुआ।

अधिकारियों को स्कूल परीक्षा से निकलने नहीं दिया जा रहा है परीक्षा के समय दो-दो प्रश्नपत्र दे दिए गए थे। पहले किसी और को हल कराया फिर उसे जमाकरा कर दूसरे पेपर को हल करने कहा गया। इस तरह बच्चों का समय भी बर्बाद हुआ और उन्हें मिस गाइडेंस हुआ जिसके कारण वह अच्छे से परीक्षा भी नहीं दे पाए पूरे प्रदेश भर में यह लापरवाही बालोद जिले से सामने आई है। बालोद जिले के राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा बनाए गए शासकीय आदर्श बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के परीक्षा केंद्र में आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्य अरुण साहू ने बताया कि हम अपनी गलती मान रहे हैं कि बच्चों को गलत एग्जाम पेपर दिया गया था, उन्होंने कहा कि बैंक से एग्जाम पेपर लाने में गलती हुई स्टेट बैंक और केनरा बैंक दोनों जगह नीट का एक प्रश्नपत्र जमा थे वहां से दोनों जगह से प्रश्न पत्र ले गए उसके बाद हम खुद कंफ्यूज हो गए थे, पहले बच्चों को दूसरा प्रश्न पत्र हल करने कहा गया फिर हमें लगा कि यह नहीं है तो फिर दूसरा प्रश्न पत्र दिए।

रो रहे बच्चे

परीक्षा हॉल से निकलने के बाद बच्चों का बुरा हाल है, प्रशासन के ऊपर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। वहीं बच्चों ने रोते-रोते बताया की हड्डियां टूट जाती है पढ़ाई करते-करते पैसे खर्च हो जाते हैं सुबह 3.30 बजे तक पढ़ते हैं उसके बाद यहां पर इस तरह का रवैया किया जाता है जिससे हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

पहला कॉलम...

मां भानेश्वरी जयंती कार्यक्रम में अधिक से अधिक श्रद्धालु सिंघोला पहुंचे

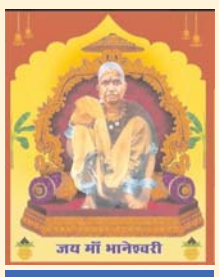

भागवत साहू ने की अपील

राजनांदगांव (दावा)। साहू समाज एवं समस्त ग्रामवासी सिंघोला के संयुक्त तत्वाधान में आगामी 9 मई दिन गुरुवार को मां भानेश्वरी जयंती मिनी स्टेडियम सिंघोला में आयोजित है। जिसमें अधिक से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। फिर भी जिला साहू संघ अध्यक्ष भागवत साहू ने प्रदेश स्तरीय इस आयोजन में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से सिंघोला पहुंचने की अपील की है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में आदर्श विवाह भी संपन्न होना है। जयंती समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साहू सहित प्रदेश और संघ के अध्यक्ष टहल सिंह साहू विशेष रूप से आमंत्रित किए गए हैं। उनके अलावा भी कई वीआईपी कार्यक्रम में पहुंचेंगे। श्री साहू ने आगे कहा कि आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। इस आयोजन को लेकर गांव में गांव सहित आसपास सभी गांव में त्यौहार जैसा वातावरण बन रहा है, समाज के लोग समाज के पदाधिकारी गण आयोजन को यादगार बनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं।

ब्राम्हण समाज ने स्व. मधु दुबे को दी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव (दावा)। रामायण प्रचारक समिति के पूर्व कोषाध्यक्ष स्व. पं. मधु दुबे के निधन पर छत्तीसगढ़ी सरयूपारीय ब्राम्हण सभा के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष शरद तिवारी ने बताया कि स्व. मधु दुबे विगत 14 वर्षों तक रामायण प्रचारक समिति और लगभग 10 वर्षो से छत्तीसगढ़ी ब्राम्हण सभा के कोषाध्यक्ष पद पर रहे हैं, बहुत ही सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्ति थे, उनके नहीं रहने का समाज को बहुत ही गहरा दुख पहुंचा है। भगवान दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें, उनके परिवार को दुख की इस घड़ी में धैर्य और शक्ति प्रदान करें। श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले छत्तीसगढ़ी ब्राम्हण सभा के अध्यक्ष शरद तिवारी, मिथलेश शुक्ला, विनोद शुक्ला, अभ्यूदय पाण्डेय, अशोक पाण्डे, पोषण शुक्ला, नीरज शुक्ला, अरविंद तिवारी, महेन्द्र (विक्की) शुक्ला, अशोक तिवारी, आलोक तिवारी, नवीन शर्मा, सौरभ तिवारी, संजय तिवारी, अनूप शर्मा, नितिन शुक्ला, शुभांशु तिवारी, विभोर तिवारी, राहुल मिश्रा, अजय शर्मा, प्रशांत दुबे, विष्णु नंद चौबे आदि उपस्थित थे।

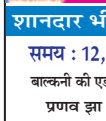

प्रीतम सिन्हा का निधन

डोंगरगढ़ (दावा)। विकासखंड के ग्राम पटपर निवासी प्रीतम सिन्हा का 5 मई दिन रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। श्री सिन्हा शासकीय प्राथमिक शाला उरईडबरी के प्रधान पाठक थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार पीछे छोड़ गए। उनकी अंत्येष्टि स्थानीय मुक्तिधाम पटपर में संपन्न हुई जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

चांवल के छोटे से दाने पर पेन्टिंग बनाकर वोट देने की अपील

राजनांदगांव (दावा)। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोकसभा चुनाव का खुमार पूरे चरम पर है और हर पार्टी के प्रत्याशी लोगो को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। चुनाव आयोग भी चाहता है कि ज्यादा से ज्यादा मतदान हो जिसके लिए वह अनेक प्रकार के जतन करता है।

इसी कड़ी में धान का कटोरा कहलाने वाले छत्तीसगढ़ राज्य के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार अंकुश देवांगन ने भी लोगों को मतदान के लिए जागरूक करने का अनूठा तरीका अख्तियार किया है। उन्होंने राज्य की पहचान अनुरूप चांवल के छोटे से दाने में वोट दें लिखकर इसके उपर व नीचे शान से लहराते तिरंगे का चित्रण किया है और दर्शाया है कि इसी से ही भारत आगे बढ़ेगा। फोटो में एक महिला मतदाता अपने उंगली के नाखून में चांवल पर बने इस पेन्टिंग को रखकर निहार रही है।

छत्तीसगढ़ राज्य के भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत अंकुश देवांगन देश के इकलौते ऐसे कलाकार हैं जिन्हें दुनिया की सबसे छोटी मूर्ति तथा दुनिया के सबसे बड़े लौहरथ बनाने के लिए लिम्का एवं गोल्डन बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड का एवार्ड मिला है। उनके द्वारा बनाई गई सबसे छोटी भगवान् श्री गणेश की मूर्ति जहां चांवल के दाने से भी सौ गुनी छोटी है वहीं उनके द्वारा निर्मित लौहरथ छः मंजिली इमारत जितना ऊंचा है। छत्तीसगढ़ के ही दल्ली राजहरा शहर में उन्होंने इस विशाल रथ को लौह स्क्रेप से वेल्डिंग करके बनाया है जिसमें कृष्ण अर्जुन, भीष्म पितामह के महाभारत का संदेश है। देश के अनेक शहरो में उनके द्वारा बनाई गई भव्य से भव्यतम प्रतिमाएं स्थापित है। उनके कलाकृतियों की विशेषता है कि या तो वे चांवल के दाने से भी कई गुनी छोटी होती है या पांच छः मंजिली इमारत जितनी ऊंची। वे अपनी कला के माध्यम से सामाजिक सरोकारों के कार्यों के लिए भी जाने जाते हैं। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ राज्य देश में सबसे ज्यादा नक्सली हिंसा से जूझता रहा है। जिस पर हाल ही में बहुचर्चित फिल्म बस्तर का निर्माण किया गया था। फिल्म में इस हकीकत को दर्शाया गया है कि जितने सैनिक आज तक बार्डर में नहीं मारे गए हैं उससे ज्यादा देश के भीतर इस नक्सली हिंसा में मारे जा चुके हैं। अंकुश देवांगन का जन्म इन्ही नक्सल प्रभावित इलाकों से सटे कस्बे राजहरा में हुआ है। उन्होंने देखा है कि होश सम्हालने से पहले ही बच्चे कुसंगति में आकर हिंसा के रास्ते में चल पड़ते हैं। लेकिन जिन बच्चों में सृजनात्मक क्षमता आ जाती है, वे हिंसक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। इसलिए उन्होंने बच्चों को कला प्रशिक्षण देना अपना जीवन लक्ष्य बना लिया है। वे यहां के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगभग पैंतीस साल से स्कूली छात्र-छात्राओ को निशुल्क कला प्रशिक्षण और कला प्रदर्शन करते आ रहे हैं। वे कहते हैं कि कला हमें इंसान बनाती है और मानसिक तनावों से दूर करती है। यही वजह है कि दुनिया भर के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में विविध कलाओं को शामिल किया जाता रहा है। यह डिप्रेशन से जूझ रहे मानव को उससे बाहर निकालने के लिए मनोवैज्ञानिक थैरेपी भी है। अपने नौकरी के समस्त छुट्टियों का उपयोग वे इन सामाजिक कार्यों में लगा देते हैं और खतरनाक माने जाने वाले बीहड़ वादियों में निरंतर प्रशिक्षण देने जाते हैं। ये ऐसे सघन बीहड़ क्षेत्र हैं जहां जाने से बड़े-बड़े सरकारी नुमाइंदे भी डरते हैं।

अंकुश देवांगन जानते हैं कि उनके द्वारा किए जा रहे इन छोटे कार्यों से कोई बड़ी क्रांति नही आ जाएगी, परन्तु इससे यदि एक भी बच्चा हिंसा के रास्ते में जाने से बच गया तो वह खुद और उसकी कला धन्य हो जाएगी। बहरहाल इस लोकसभा चुनाव में अंकुश देवांगन ने चांवल के छोटे से दाने पर पेन्टिंग बनाकर लोगो से वोट देने की अपील की है तथा कहा है कि प्रजातंत्र में यही वो ताकत है जिससे अपने पसंद की सरकार चुनी जा सकती है। इसी से ही देश के विकास की दशा और दिशा तय की जा सकती है इसलिए अपने बहुमूल्य वोट का इस्तेमाल अवश्य करें।

10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे 9 या 10 को होगा जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के नतीजे की घोषणा 9 अथवा 10 मई को की जा सकती है. दोनों परीक्षाओं के नतीजे तैयार करने का काम लगभग पूरा हो चुका है. अब नतीजे घोषित होने का इंतजार है. माशिमं ने दोनों परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन समय पर पूरा कर लिया. इसके बाद नतीजे तैयार किए गए. बताते हैं कि नतीजे तैयार करने का काम भी लगभग पूरा हो चुका है. प्रयास किया जा रहा है कि रोके गए नतीजे के प्रकरणों की संख्या कम से कम हो. इसके अलावा टॉपर बच्चों के अंकों का पुनर्मिलान किया जा रहा है ताकि किसी तरह की कोई दिक्कत न हो. इस बार बोर्ड परीक्षा में 6 लाख 6 हजार 578 विद्यार्थी पंजीकृत हुए थे. इनमें 12वीं में 2.61 लाख तथा 10वीं में 3 लाख 45 हजार 543 बच्चे पंजीकृत थे।

डोंगरगढ़ पुलिस ने गुम इंसान महिला को खोज निकाला

राजनांदगांव (दावा)। डोंगरगढ़ पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र के गुम इंसान को खोज निकाला है। गुम इंसान महिला बताई जाती है।

डोंगरगढ़ थाना प्रभारी सी आर चंद्रा ने बताया कि उनके थाने के गुम इंसान क्र.- 42/2024 के गुम महिला श्रीमती शारदा बाई वर्मा पति सुनील वर्मा उम्र-40 साल निवासी ग्राम गाजमर्रा जो घटना के दिन 30 अप्रैल को ग्राम से गुम हो गई थी। जिसका मुंबई में होने का पता चलने पर वे स्वयं और उनके सहायक उपनिरीक्षक एसएम कुरैशी के द्वारा तकनीकी सहायता एवं महिला हेल्प लाईन व सखी सेन्टर के मदद से महिला को आज 5 मई रविवार को उसके परिजन से मिलाया गया।

महिला से पूछताछ करने पर अपने बड़े लड़के से मिलने दुर्ग जाने के लिये रेल्वे स्टेशन आई थी व वहां एक ट्रेन आने पर उसमें धोखे से बैठ गई और वह ट्रेन उसे मुम्बई लेकर चली गई। जहां से किसी व्यक्ति के फोन के माध्यम से घर में संपर्क करना बताई व अपने साथ किसी प्रकार कोई अप्रिय घटना घटित नहीं होना बताई है। पुलिस ने उक्त महिला को उनके घर वालों को सौंप दिया है।

पत्थर खदान में हुआ हादसा, तीन मजदूर झुलसे

दुर्ग (दावा)। नंदिनी थाना क्षेत्र स्थित पत्थर खदान में हुए हादसे में तीन श्रमिक झुलस गए। घायलों को भिलाई इस्पात संयंत्र के सेक्टर 9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां एक ही हालत गंभीर बताई गई है। नंदिनी थाने की पुलिस टीम जांच पड़ताल में जुटी है। जानकारी के अनुसार, खदान में माउंट ड्रिलिंग मशीन में डीजल फीलिंग के वक्त अचानक गर्म डीजल ड्राइवर समेत तीन श्रमिकों पर छिटक गया, जिसे तीनों बुरी तरह झुलस गए। नंदनी थाना टीआई सतीश साहू ने बताया कि इस हादसे में ड्राइवर की लापरवाही सामने आई है। उन्होंने बताया कि लगातार पत्थर में ड्रिलिंग की वजह से मशीन गर्म हो चुकी थी और इसी दौरान उसमें डीजल भरा जा रहा था। गर्म होने के वजह से डीजल डालते ही टैंक से डीजल छिटक गया, जिससे तीन लोग झुलस गए। घायलो को दुर्ग जिला अस्पताल लाया गया, जहां हालत बिगड़ते देख सेक्टर 9 हॉस्पिटल रिफर किया गया। अस्पताल के बर्न यूनिट में तीनों का इलाज जारी है।

अब कांग्रेस का होगा नया सवेरा भूपेश बघेल के 1 लाख वोट से अधिक की जीत का दावा - सूर्यकांत जैन

राजनांदगांव (दावा)। दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष व कांग्रेस के युवा नेता सूर्यकांत जैन ने कहा कि आगामी 4 जून को जब छत्तीसगढ़ सहित समूचे भारत की नजर राजनंदगांव लोकसभा सीट पर केंद्रित होगी। तब मतगणना के चलते यह स्पष्ट हो जाएगा की आम जनता मोदी सरकार की कार्यशैली से ऊब चुके हैं और उसी दिन से भाजपा का ग्राफ तेजी से गिरता चला जाएगा।

कहा - नए भारत के निर्माण में श्री बघेल की होगी अहम भागीदारी

4 जून कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक होगा। क्योंकि उस दिन छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री राजनांदगांव लोकसभा सीट से 1 लाख से ज्यादा मतों से जीत हासिल करके नया इतिहास रखेंगे। उस दिन देश भर की सीटों के नतीजे कांग्रेस को बहुमत दिलाते रहेंगे तब वह दिन कांग्रेस के लिए नया सवेरा लायेगा। श्री जैन ने आगे कहा कि परिवर्तन संसार का नियम है।

दुनिया में एक ही चीज स्थाई रहती है वह है संसार की परिवर्तनशीलता इस बार जनता का मूड केंद्र में परिवर्तन का दिखाई दे रहा है जैसे 2018 के चुनाव में राज्य में परिवर्तन लहर के चलते कांग्रेस ने सत्ता खोई थी। उसी तरह लोकसभा चुनाव 2024 में परिवर्तन लहर स्पष्ट दिखाई दे रही है। लोग केंद्र में मोदी नित भाजपा सरकार की दोगलाई से ऊब चुके हैं।

हकीकत तो यह है कि देश की जनता महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी से बुरी तरह त्रस्त हो चुकी है। लोग पिछले 10 साल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लच्छेदार भाषणों से जैसे सम्मोहित होते रहे हैं। अब उनका यह सम्मोहन वशीकरण लोग समझ चुके हैं। इस बार का रिजल्ट समूचे देश में चौंकाने वाला होगा भाजपा 400 पार की बात कह कर खूब लड्डू खा रही है। उसे खाने दिया जाए देश की जनता 4 जून को उन्हें करेले का स्वाद चखाएगी। कांग्रेस भूपेश बघेल की जीत और केंद्र में अपनी सरकार बनने की खुशी में मिठाइयां बांटने तैयार है। भाजपा अपनी हार के लिए चाहे तो मिर्ची भजिया बटवा सकती है।

dts श्री कृष्णा (एयरकूल) में

शानदार भीड़ भरा तीसरा सप्ताह रोजाना 4 खेल

समय : 12, 3, 6 व 9 बजे

बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।

प्रणव झा प्रॉडक्शन कृत

बी.ए. फाईनल ईयर

छत्तीसगढ़ी भाषा में

कलाकार - मन कुरैशी, दीक्षा जायसवाल, दादू साहू, अंजली चौहान, राजेश बाघमारे, जयंती मनहर आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

शराब पीकर माहौल ख़राब करने वाले 2 व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस ने की कार्यवाही

राजनांदगांव (दावा)। घुमका पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में शराब पीकर हुड़दंग मचाने वाले दो असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपियों के नाम नवीन नादरे पिता पदराम नादरे उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम पदगोन्दी थाना अम्बागढ़ चौकी व छगन दामायेण पिता चमारु दमायेण उम्र 32 वर्ष निवासी सुन्दर थाना कटंगी जिला बालाघाट बताया जाता है।

घुमका थाना प्रभारी ने बताया कि जिले मे अपराधों की रोकथाम एवं गुंडे बदमाशों पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। उसी क्रम में थाने की पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुलदेव शर्मा, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी दिलीप सिसोदिया के मार्गदर्शन में थाना घुमका क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हरडूआ में 04 मई को शराब के नशे मे घूमकर गांव मे माहौल ख़राब कर रहे लोगों को पुलिस के द्वारा समझाने का प्रयास किया गया जिसके बावजूद भी उनके द्वारा पुलिस की उपस्थिति मे मारपीट करने मे उतारू होकर बेवजह क्षेत्र का माहौल ख़राब किया जा रहा था।

अतः दोनों व्यक्तियों को शनिवार 4 अप्रैल को धारा 151 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत गिरफ्तार किया गया और क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु आरोपियों को प्रतिबंधित करने हेतु पृथक से धारा 107,116 (3) दंड प्रक्रिया संहिता के तहत सभी अनावेदकों के विरुद्ध पृथक पृथक प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट राजनांदगाव के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल दाखिल कर दिया गया है।

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगांव
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ:- जिला राजनांदगांव तहसील-डोंगरगांव
प.ह.नं. -00037 करमतरा ग्राम के
नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक -
CG-2024-25-125-1-405

ईश्तहार

तहसील डोंगरगांव के प.ह.नं.-00037 के अंतर्गत ग्राम करमतरा के वर्तमान भूमिस्वामी Rohit Sahu पिता/पति **Ravaram Sahu** पता **Village karamtara** के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 279/2 (0.4050) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता Lukesh kumar Sahu पिता/पति- Rohit kumar Sahu पता- **Village karamtara** के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरूस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 15/05/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार डोंगरगांव पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आमुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/05/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार डोंगरगांव

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202404092200003
विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन:-2023-24
कातलवाही प.ह.नं. 00025 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-आवेदक दिनेश यादव
अनावेदक पक्षकार

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश यादव आ. रामाधीन यादव जाति राऊत सा. कंडरा पारा डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के पिता रामाधीन यादव आ. नानुक यादव का मृत्यु दिनांक **20.11.2015** को स्थान ग्राम डोंगरगढ़ में हुआ है के नाम पर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर हो तो ईश्तहार दिनांक **29.04.2024** उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक **01/04/2024** को जारी किया जाता है।

तहसीलदार, तहसील-डोंगरगढ़

अक्षय तृतीया को लेकर सजा बाजार

- बाजार में बिकने आए रंग-बिरंगी गुड्डे गुड़िया
- मिट्टी के घड़ों की बढ़ी मांग
- शुभ मुहूर्त में खरीदे जाएंगे सोने-चांदी के जेवरात, बर्तन एवं अन्य चीजें

राजनांदगांव(दावा)। भगवान परशुराम की जन्म जयंती का पर्व अक्षय तृतीय 10 अप्रैल को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर लोगों में खासा उल्लास देखा जा रहा है। भगवान परशुराम के जन्म को अक्षय व अबूझ मुहूर्त वाला दिन कहा गया है। इस दिन को शुभ एवं मंगलमय माने जाने से बगैर मुहूर्त के ही शादी-ब्याह के आयोजन व सोने-चांदी के जेवरात सहित बर्तन व अन्य चीजों का खरीदी की जाती है। यही वजह है कि अक्षय तृतीया के दिन बड़ी तादाद में शादी-ब्याह के आयोजन होते है। बाजार में खरीदारी होती है और इस दिन सेही खेती-किसानी के कार्यो के कार्य की शुरूआत किए जाने के चलते कृषि कार्य के लिए गांवों में सौजियां चरवाहा नौकर आदि का अनुबंध किया जाता है।

पर्व को लेकर सजा बाजार

अक्षय तृतीया पर्व को लेकर शहर का बाजार पूरी तरह सज गया है। शहर के विभिन्न चौक-चौराह में मिट्टी से बने आकर्षक गुड्डे-गुडिया बिकने आ गए है। जिसकी खरीदारी भी की जा रही है। चूंकि अक्षय तृतीया के ही दिन नए घड़े से पानी पीए जानेका विधान है। इसके चलते बाजार में मिट्टी से बने घड़े मटके सुराई आदि की मांग बढ़ गई है। शहर के गंज चौक, हॉट बाजार नन्दई चौक आदि सहित गोलबाजार, कुम्हार पसरा व जयस्तंभ चौक रोड में रंग बिरंगी गुड्डे-गुडिया सहित करसा-कलोरी व घड़ों की जमकर खरीदारी हो रही है। जयस्तंभ चौक में मिट्टी के घड़े व गुड्डे-गुड़िया की दुकान सजाए सोनम ने बताया कि उनके यहां छोटे गुड्डे-गुड़िया 40 रूपए जोड़ा व मध्यम क्लास का 80 रूपए व इससे बड़ा गुड्डा-गुड़िया 100 से 120 रूपए में बेचा जा रहा है। वही करसा-कलोरी जिसे करवा भी कहा जाता है। 30 रूपए से लेकर 40-50 रूपए में बेचा जा रहा है। गुड्डे-गुड़िया के लिए छिन्द से बने मौर 20 रूपए जोड़ा बताया।

उक्त मिट्टी के बर्तन व गुड्डे-गुड़िया नजदीक के ग्राम मोहारा-डोंगरगांव व रायपुर से मंगाया जाना बताया। उन्होंने नल लगे मटके 150 रू. नग, बड़ा मटका 250 रूपए तथा बगैर नल वाले मटके 100 रूपए से 200 रूपए प्रति नग बताया। चूंकि अक्षय तृतीया का पर्व नजदीक है। इसलिए गुड्डे-गुड़िया से लेकर मिट्टी के घड़े, मटके, सुराही आदि हाथों-हाथ बिक रहे है। वैसे देखा जाए तो इस बार बाजार में भारतीय परिधान से सजे गुड्डे-गुड़िया ज्यादा तर आए हुए है। कोट-पैंट, टाई वाले गुड्डे-गुड़िया नजर नहीं आ रहे। इससे बाजार में देशी परम्परा की पुनर्स्थापना व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की झलक देखने में आ रही है।

सर्राफा बाजार भी सजा

बता दे कि अक्षय तृतीया के दिन को कभी न क्षय होने वाला मुहूर्त मान कर सोने-चांदी के जेवर व बर्तन आदि सहित अन्य चीजे खरीदे जाने का विधान है। इसके चलते शहर का सर्राफा बाजार, बर्तन दुकाने व इलेक्ट्रानिक आईटमों की दुकाने सज गई है। इस दिन में खरीदी के लिए दुकानदार ग्राहकों को आफर भी दे रहे है। इलेक्ट्रानिक्स सामानों की खरीदी पर 20 से 25 प्रतिशत की छूट दे रहे है। वही फाइनेंस सुविधा भी दी जा रही है। शहर की इलेक्ट्रानिक दुकाने में टीवी-कूलर फ्रिज, एलईडी, एसी, पंखा, फ्रिज, मोबाइल व अन्य सामानो से सजी पड़ी है। जिसकी एडवांस खरीदारी भी हो रही है। इसी तरह सोने चांदी की दुकाने व बर्तन दुकाने भी सजी हुई है जहां दुकानदार ग्राहकों को आकर्षित करने में जुटे हुए है।

गुड्डा-गुड़िए का विवाह

इस बार अक्षय तृतीया पर शादी के मुहूर्त नहीं है फिर भी इस दिन अक्षय मुहूर्त मान कर लोग शादी-विवाह के आयोजन कराएंगे। छत्तीसगढ़ी संस्कृति एवं परम्परानुसार गुड्डे-गुड़ियां का ब्याह रचाया जाएगा। मान्यता है कि इसदिन मिट्टी से बने पुतरा-पुतरी (गुड्डे-गुड़िया) का ब्याह रचाने से अवश्य ही उनके घर योग्य पुत्र-पुत्रियों की जल्द ही शादी-विवाह हो जाते है। अक्षय तृतीया के दिन खासकर बच्चे मिट्टी से बने गुड्डा-गुड़िया का ब्याह रचाते है। वैवाहिक मंडप सजाकर बकायदा गुड्डे-गुड़ियों में तेल-हल्दी चढ़ाया जाता है। मायन-मौर, सौपाई से लेकर वैवाहिक गीतों के साथ टिकावन कार्यक्रम भी कराया जाता है। जिसमें बच्चों से लेकर बड़े बुजूर्ग महिलाए टीकावन में खुशी-खुशी भाग लेती है। बच्चे गुड्डे-गुड़ियां के विवाह की तैयारी में जुट गए है।

शुभ मुहूर्त

शहर के वरिष्ठ ज्योतिषि पातंजलि बाजपेयी की माने तो बैशाख माह के शुक्लपक्ष की तृतीया तिथि की शुरूआत 10 मई की सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर होगी वही तिथि का समापन 11 मई की सुबह 2:50 को है। इसदिन विशेष कर धन की देवी लक्ष्मी, भगवान विष्णु व भगवान परशुराम की पूजा की जाएगी। इस दिन स्नानदान जप-तप स्वाध्याय तर्पण आदि कर्म किए जाएंगे। अक्षय तृतीया के दिन किए गए उक्त शुभ कामो से सम्पूर्ण पापो का नाश होता है। इसदिन खरीदी के लिए शुभ मुर्हूत होने के कारण सोने-चांदी से लेकर अन्य धातुओं की अधिक से अधिक खरीदी की जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन किए गए शुभ कर्म से सभी मनोकामना पूरी होती है।

महावीर चौक में आज छात्रावास परिवार का साप्ताहिक बैठक संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली सेवाभावी राष्ट्रीय संगठन छात्र मंच परिवार द्वारा आज साप्ताहिक बैठक में सभी पदाधिकारी शामिल हुए जिसमें उन्हें जिम्मेदारी दिया गया।

छात्र युवा मंच प्रदेश संयोजक नागेश यदु ने बताया कि संगठन निरंतर विभिन्न प्रकार के अभियानों में कार्य करती रहती है, जिसमें से मुख्य अभियान है रक्तदान को जन अभियान बनाना। साथ ही साथ बात 22 जुलाई को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसकी तैयारी हेतु प्रति सप्ताह बैठक रखा जाता है और बैठक में उपस्थित सभी सदस्य पदाधिकारी को जिम्मेदारी दिया जाता है।

राजनांदगांव के सभी वार्डों में रक्तदान जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है ताकि सभी लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक कराया जा सके। 22 जनवरी 2025 को विशाल रक्तदान शिविर का वचन रखा गया है, जिसकी तैयारी अभी से प्रारंभ कर दिया गया। संगठन के माध्यम से साथ ही साथ बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन व्यक्तित्व विकास शिविर का विभाजन किया जा रहा है जो सुबह 6 बजे से 9 बजे तक शीतला माता गार्डन राजनांदगांव में किया जाता है।

आज की बैठक में उपस्थित प्रदेश संयोजक नागेश यदु, छत्रपति शिवाजी महाराज रक्तवीर मंच प्रदेश प्रमुख लोकेश बारापात्रे, प्रदेश तकनीकी व संचार प्रमुख प्रवीण मारकंडे, दिग्विजय महाविद्यालय अध्यक्ष दुष्यंत कुमार उपस्थित थे।

भारतीय त्यौहार यों और कब मनाया जाता है

- हिन्दु सभ्यता में चार धाम की महत्व का ज्ञान

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी में अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन की ओर से एक अनोखी पहल की गई है, जिसमें अपनी आगामी पीढ़ी को संस्कार और अपनी भारतीय सभ्यता का परिचय कराते हुये कार्यक्रम के अंतिम दिन बच्चों का भारतीय पर्व तीज त्योहारों की जानकारी दी गई। भारतीय हिन्दु सभ्यता में चार धाम की यात्रा का महत्व भी बताया गया। बच्चों के लिये आयाजित यह कार्यक्रम जितना अनूठा था उससे अधिक बच्चों की ने इसमें भाग लेकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया। जिससे की आने वाले भविष्य में भी इस तरह के कार्य म आयोजित किये जा सके।

कार्यक्रम के अंतिम दिन अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने सभी बच्चों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया तथा आयोजन समिति को इस सफल आयोजन के लिये बधाई भी दी इस कार्य म सफल बनाने के लिये अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अध्यक्ष अंकुश अग्रवाल, सचिव तपन जिंदल, कोषाध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, सदस्य निंकुज सिंघल, अर्चित अग्रवाल, अंशिता अग्रवाल, वशुधा अग्रवाल, सुरभि अग्रवाल, श्रुति अग्रवाल, विकास गोयल, निकीता अग्रवाल, विशेष योगदान रहा। दिपाली ठक्कर, रूपाली गांधी, अतुल अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

सात सीटों पर कल तीसरे चरण का मतदान; थम गया चुनावी शोरगुल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव का तीसरे चरण के सात सीटों पर मतदान सात मई को होना है। लोकसभा सीट रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर चांपा और सरगुजा में आज रविवार की शाम पांच बजे से चुनावी शोरगुल थम गया। प्रचार थमने से प्रत्याशी डोर-टू -डोर जनसंपर्क कर सकते हैं।

चुनावी मैदान में 168 प्रत्याशी

छत्तीसगढ़ के सात सीटों पर कुल 168 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इनमें पुरुष उम्मीदवारों की संख्या 142 और महिला प्रत्याशियों की संख्या 26 हैं। सातों लोकसभा सीटों की तुलना में रायपुर लोकसभा सीट पर सबसे ज्यादा 38 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं बिलासपुर में भी 37 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

15 हजार 701 पोलिंग बूथ पर 20 हजार जवान होंगे तैनात

प्रदेश के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर चांपा और सरगुजा लोकसभा सीट में तीसरे चरण का मतदान सात मई को होना है। इन सातों सीटों के लिए चुनाव आयोग ने पूरी तैयारियां कर ली है। प्रदेश में कुल 15 हजार 701 मतदान केंद्र बनाए हैं। साथ ही सुरक्षा के लिए 20 हजार 200 जवानों की तैनाती की गई है।

तीसरे चरण के मतदान के लिए राज्य चुनाव आयोग ने तैयारियां पूरी कर ली है। अब बूथों पर पोलिंग पार्टियों को रवाना कर दिया जाएगा। साथ ही सात सीटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर लिया गया है। तीसरे चरण के चुनाव के लिए मतदान सुबह सात से शाम छह बजे तक मतदाता वोट कर सकेंगे।

पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स ने फ्लैग मार्च निकाला

इसी प्रकार चुनाव को पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला। थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा के साथ ग्राम घिवरी, बहेरा, भुरकी, बीजाभाट, झाल में, थाना नांदघाट क्षेत्र ग्राम तरपोंगी, मगरघटा, मल्दा, पौसरी, धोबभट्ठी में, थाना दाढी क्षेत्र ग्राम कठौतिया, उडतला, छिरहा में, थाना खम्हरिया क्षेत्र ग्राम खम्हरिया में, पुलिस चौकी संबलपुर क्षेत्र ग्राम संबलपुर, पेंड्री समेत अन्य जगहों में फ्लैग मार्च निकाला गया। लोगों को मतदान करने प्रेरित किया।

नगर निगम ने खराब सड़क निर्माण के संबंधित ठेकेदार को नोटिस दिया

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम द्वारा वार्डों में सीमेंट कांक्रिटिंग रोड, नाली निर्माण एवं डामरीकरण कराया जा रहा है, इसी कड़ी में शक्ति नगर एवं वर्धमान नगर में भी निर्माण कार्य किया जा रहा है, निर्माण की कड़ी में सीसी रोड निर्माण नवम्बर महीने के आस पास शक्ति नगर एवं वर्धमान नगर में बनाई गयी है। उल्लेखनीय है कि निर्माणाधीन रोड के पास में स्थित बाइक शोरूम के द्वारा गलत तरीके से 20-25 टन वजनी वाहन को किनारे में चलाया गया हैं, जिससे रोड पर दरार पड़ गयी है, जिसे पुनः ठेकदार द्वारा ठीक करवा कर शेष बचे हुए सीसी रोड के कार्य को करवाया जाएगा। उक्त रोड का कार्य 25 प्रतिशत हुआ है एवं रोड निर्माण हेतु संबंधित ठेकेदार को कोई भुगतान नहीं किया गया है, गुणवत्ता सुनिश्चित उपरांत ही भुगतान, संबंधित ठेकेदार को किया जाएगा तथा रोड के दोनों तरफ के शोल्डर को मुरूम द्वारा भरा जा रहा है। साथ ही वार्डो के खराब सड़कों को संबंधित ठेकेदार द्वारा पुनः ठीक करवाया जा रहा है, इस संबंध में उन्हें नोटिस भी दिया जा रहा है।

हज्जे बैतुल्लाह जाने वाले जायरीनों को दिया गया प्रशिक्षण

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के तत्वावधान में प्रशिक्षण शिविर में सन् 2024 में हज यात्रा पर जाने वाले आजमीनों को हज का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें लोगों को हज कमेटी द्वारा किए गए इंतजाम और कुछ तबदीलियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में हज्जे बैतुल्लाह जाने वाले जायरीनों ने प्रशिक्षण लिया। जिसमें राजनांदगांव से 51, कबीरधाम से 12 तथा खैरागढ़-छुईखदान, गंडई से 3 हाजी हज्जन इस बार करेंगे मक्का मदीने की जियारत।

आज 5 मई 2024 को राजनांदगांव शहर के होटल एबीस ग्रीन में हज कमेटी के हज ट्रेनरों द्वारा हज यात्रा पर जाने वाले लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। शिविर की शुरुआत मास्टर्स ट्रेनर्स एवं सदस्य हज कमेटी कारी इमरान अशरफी साहब किबला ने तिलावते कुरान से की।

हज यात्रियों को संबोधित करते हुए राज्य हज कमेटी के कार्यपालन अधिकारी सचिव डॉक्टर साजिद अहमद फारूकी द्वारा हज यात्रा के इंतजामात का विस्तृत विवरण देते हुए सभी हज यात्रियों को मुबारकबाद दी। इसमें हज ट्रेनर हाजी सैय्यद सलीम अशरफ द्वारा हज की एहमियत और उसे सही ढंग से करने का तरीका वीडियो पॉवर पाइंट द्वारा एक एक बिन्दु

को गहनता से समझाया। इसके बाद एयरपोर्ट के नियम और सऊदी अरब में जो कानून है, उनकी जानकारी दी। हज यात्रियों को कांसिलेट जनरल ऑफ इंडिया, जद्दा द्वारा तैयारी की गई हज फिल्म भी दिखाई गई। दिन भर चले इस प्रशिक्षण शिविर की अध्यक्षता मो. असलम खान अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी ने किया। प्रशिक्षण शिविर में मुख्य रूप से डॉ. साजिद अहमद फारूकी साहब, श्रीमती डॉ. रूबीना अल्वी, सदस्य हज कमेटी, शाहिद खान, अकरम कुरैशी उपस्थित रहे।

शिविर में मास्टर ट्रेनर्स एवं सदस्य हज कमेटी कारी मौलाना डॉ. इमरान अशरफी, हाजी अब्दुल रज्जाक, हाजी सैय्यद सलीम अशरफ, हाजी तौसीफ अहमद, हाजी राजिक अमजद, मुख्य वक्ता मौलाना व कारी इमरान अशरफी हज ट्रेनर्स एवं सदस्य हज कमेटी ने शिविर में शामिल 66 हज यात्रियों को हज्जे बैतुल्लाह जियारत रसूल अल्लाह और जियारत मदीना और जियारत मक्का व अरकाने हज के संबंध में प्रशिक्षण दिया।

गौरतलब हो, कि हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है। हज एक वार्षिक पवित्र तीर्थयात्रा है जहां मुस्लिम भाईचारा भी प्रदर्शित होता है। हज यात्रा करने के उद्देश्य से सऊदी अरब जाने से पहले हज यात्रियों का प्रशिक्षण आवश्यक होता है। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के द्वारा प्रत्येक साल 'आजमीने-हज' के लिए प्रशिक्षण रखा जाता है। इस बार भी हज पर जाने वाले लोगों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस बार यहां खास बात ये रही कि हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा तैयार किए गए हज सुविधा एप के संचालन का विशेष रूप से सभी को प्रशिक्षित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम के तहत उमरा, हज, हज के 5 दिन, मदीना मुनव्वरा और मुकद्दस मकामात में न्यूनतम कठिनाइयों के साथ उपस्थिति के दौरान आवश्यक विभिन्न अनिवार्य रसम-श्रेष्ठ आचरण के लिए विस्तृत जानकारी और सलाह दी गई। हज ट्रेनरों ने हज यात्रियों को मक्का और मदीना की यात्रा के दौरान रसद, हज के (धार्मिक) विधि, स्वास्थ्य मुद्दों, आवास, सुरक्षा प्रशिक्षण और अन्य चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। हज के अधिकांश धार्मिक क्रिया सिद्धांत असल में सैद्धांतिक के बजाय व्यावहारिक ज्यादा है। इसलिए, प्रशिक्षण कार्यक्रम में शंकाओं एवं जिज्ञासा को दूर करने के लिए सवाल-जवाब के सत्र भी हुए। जाने वाले हाजियों से अपने मुल्क में अमन, खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ की दरख्वास्त की गयी।

प्रशिक्षण शिविर में मौजूद सभी हज यात्रियों को मास्टर ट्रेनरों ने हज का सफर शुरू करने से लेकर घर वापस आने तक की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। हज यात्रा के संबंध में सऊदी सरकार द्वारा प्रतिबंधित किए गए सामान के बारे में जानकारी दी। साथ ही हैंड बैग व बुकिंग लगेज में रखे जाने वाले सामान के बारे में भी बताया गया। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के सदस्य ने हज यात्रियों को सचेत किया कि वे हज कमेटी आफ इंडिया के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही सामान की पैकिंग करें। जांच के दौरान प्रतिबंधित सामान मिलने पर उसे निकालना पड़ेगा।

गौण खनिज की 3 साल की लंबित राशि जारी करने जनपद सभापति व सरपंचों ने कलेक्टर के नाम दिए ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। जनपद पंचायत व ग्राम पंचायत डुमरडीहकला व चवेली में प्राप्त होने वाली गौण खनिज की राशि 19-20 के बाद की राशि आज तक जनपद व पंचायत को जारी नहीं किया गया। इस संबंध में कलेक्टर के नाम क्षेत्रीय जनपद सदस्य सभापति ओमप्रकाश साहू व सरपंच संघ अध्यक्ष धौराभाठा सरपंच नोमेश वर्मा, डुमरडीहकला सरपंच दिनेश सिंह ठाकुर, खपरीखुर्द सरपंच तारणी वर्मा, पदुमतरा सरपंच ललिता साहू, तिलई सरपंच मथुरा नेताम ने ज्ञापन देकर मांग किये है कि 19-20 के बाद कि आज दिनांक तक राशि जनपद व ग्राम पंचायत को प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे करोड़ों रूपये के विकास कार्य रुके है। सभी जनप्रतिनिधियों ने मांग किये है। राशि जल्द आबंटन प्राप्त हो, जिससे गांव का विकास कार्य कराया जा सके। सभी ने 3 साल की रूकी पूरी राशि एक साथ जारी करने की मांग की है, जिससे गांव के आवश्कताओं को ध्यान में रखकर विकास कार्य कराए जा सके।

चुनाव आयोग की अनूठी पहल, 23 देशों के 75 प्रतिनिधि 'लोकतंत्र के महापर्व' को देखने पहुचे भारत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के सबसे बड़े पर्व 'लोकसभा चुनाव' को देखने के लिए 23 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों से जुड़े हुए 75 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भारत पहुंचे हुए हैं। यह जानकारी रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने दी। उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि यह बहुत खुशी और संतुष्टि की बात है कि हमारे निमंत्रण पर 23 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों से जुड़े 75 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि हमारे चुनावों को देखने के लिए यहां आए हैं।

राजीव कुमार ने कहा, लगभग दस या उससे अधिक अध्यक्ष और विभिन्न देशों के मुख्य चुनाव आयुक्तों के समकक्ष यहां मौजूद हैं। यह खुलासा करने की हमारी स्थापित नीति के अनुरूप है, मजबूत स्थिति से काम करते हुए कि हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। इसलिए हम उन्हें आमंत्रित किए हैं।

वे पांच शहरों और पांच राज्यों में जा रहे हैं और वे बूथों पर भी जाएंगे और देखेंगे कि भारत में लोकतांत्रिक उत्सव कैसे मनाया जा रहा है? चुनाव आयुक्त ने कहा, प्रेस वहां है, राजनीतिक दल वहां हैं, एजेंट वहां हैं इसलिए हमने उन्हें हमारी नीति पर आने और मतदान करने के लिए आमंत्रित किया हैज यह हर किसी का अधिकार है, हर किसी की जिम्मेदारी है, इसलिए हम लोगों से बड़ी संख्या में आने की बार-बार अपील कर रहे हैं। हालांकि, दो चरणों में मतदान प्रतिशत 66 या उससे अधिक रहा है, जो एक अच्छा प्रतिशत है लेकिन निश्चित रूप से तीसरे चरण और उसके बाद के चरणों में मतदाता इसे भी पार कर जाएंगे।

चुनाव आयोग इंटरनेशनल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम (आईईवीपी) के आयोजन के माध्यम से लगातार अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। इसके तहत यह ऐसा पहला आयोजन होगा, जिसमें 23 देशों अर्थात ङ्क भूटान, मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, मेडागास्कर, फिजी, किर्गिज गणराज्य, रूस, मालदीव, ट्यूनीशिया, सेशेल्स, कंबोडिया, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चिली, उज्बेकिस्तान, मालदीव, पापुआ न्यू गिनी और नामीबिया से विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) और संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

भट्ट समाज के पदाधिकारी ने गीता घासी साहू से की सौजन्य मुलाकात

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश भट्ट समाज जिला दुर्ग में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने राजनांदगाँव जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू से सौजन्य मुलाकात किया और गुलदस्ता भेंटकर स्वागत सम्मान किया। सामाजिक पदाधिकारियों ने अपनी बात अध्यक्ष के समक्ष रखी और सामाजिक गतिविधियो को अवगत कराया। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश भट्ट समाज संगठन मंत्री श्रवण भट्ट, महेंद्र भट्ट अध्यक्ष, लखन भट्ट उपाध्यक्ष, राजू भट्ट सचिव, अजय,तारेंद्र भट्ट,लक्की भट्ट, नारायण भट्ट,महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती लक्ष्मी महेंद्र भट्ट, सरोज भट्ट, गरिमा भट्ट, कलाभट्ट सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश भट्ट समाज जिला दुर्ग के पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय साधन सह प्रवीण छात्रवृत्ति परीक्षा में मोहला के 171 विद्यार्थी उत्तीर्ण

- जिला मोहला मानपुर अं.चौकी के 229 विद्यार्थियों ने पास किया छात्रवृत्ति परीक्षा

मोहला (दावा)। राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद रायपुर द्वारा आयोजित बहु प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण छात्रवृत्ति परीक्षा में मोहला विकासखंड के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपना परचम लहराया है। विकासखंड के 53 पूर्व माध्यमिक शालाओं से 171 विद्यार्थी इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। वही जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी से कुल 229 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। राज्य स्तर पर 2246 विद्यार्थी इस परीक्षा को पास कर पाए हैं। पूर्व माध्यमिक शाला डुमरटोला से सर्वाधिक 23 बच्चे चयनित हुए है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहला राजेन्द्र कुमार देवांगन ने बताया कि इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रतिमाह 1000 रूपय की छात्रवृत्ति कक्षा 9वी से 12वीं तक 4 वर्षों तक प्राप्त होती है। कक्षा 8 में अध्ययनरत शासकीय स्कूल के बच्चे इस परीक्षा को देते है। प्राप्त होने वाले इस छात्रवृत्ति से विद्यार्थियों को अपने आगे की पढ़ाई में सहयोग प्राप्त होता है। यह परीक्षा एनसीईआरटी निर्देशन में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के माध्यम से आयोजित किया जाता है। ज्ञात हो की पूर्व सत्र में भी मोहला विकासखंड से 207 विद्यार्थी इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए थे।

मोहला विकासखंड की इस सफलता पर कलेक्टर एस. जयवर्धन, जिला शिक्षा अधिकारी फत्तेराम कोसरिया, जिला मिशन समन्वयक सतीश ब्यौहरे ने मोहला की टीम को बधाई प्रेषित किया है। इस उपलब्धि में खोमलाल वर्मा, नूतन साहू, दिनेश सिंह, राकेश देवांगन, जीवन नायक, राजकुमार यादव, मार्टिन मसीह, जितेंद्र पटेल, मलेश मालेकर व ब्लॉक के सभी संकुल समन्वयकों, प्रधान पाठकों तथा शिक्षकों का विशेष योगदान रहा है।

शिखर कोचिंग से लाभान्वित हो रहे वनांचल के विद्यार्थी

मोहला विकासखंड में अधिकारियों एवं शिक्षकों के प्रयास से जिला खनिज न्यास के सहयोग द्वारा शिखर कोचिंग कार्यक्रम चलाया जाता है। जिसमें बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कराई जाती है। समय-समय पर टेस्ट आयोजित किए जाते हैं। पढ़ने के लिए पाठ्य सामग्री निःशुल्क प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम के कारण सभी स्कूल स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में मोहला विकासखंड अव्वल रहा है।

अनमोल दावा

> जीवन एक बड़ा सफर है आपको हर किसी को जवाब देने और हर चीज पर प्रतिक्रिया करने की जरूरत नहीं है।

राजनीतिक दलों को आपराधिक छवि के लोगों को चुनावी मैदान में उतारने से परहेज करने की जरूरत

बृजभूषण शरण सिंह पर बेशक अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, मगर जिस तरह महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किए और जांचों से भी उनके खिलाफ तथ्य सामने आए, उससे उन्हें फिलहाल निरपराध नहीं कहा जा सकता।

अब यह उजागर है कि प्रत्याशी के चुनाव में राजनीतिक दलों से साफ-सुथरी छवि का ध्यान रखने की चाहे जितनी अपेक्षा और मांग की जाए, पर उनका मकसद एक ही होता है। वे उसी को उम्मीदवार बनाते हैं, जिसके जीतने की संभावना अधिक होती है, चाहे वह आपराधिक छवि का ही क्यों न हो। माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी बृजभूषण शरण सिंह को चुनाव मैदान में नहीं उतारेगी।

इसे लेकर उसमें ऊहापोह भी देखी जा रही थी। मगर लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार उसने उनकी जगह उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दे दिया। बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोप में अदालत की सुनवाइयों का सामना कर रहे हैं। उनकी वजह से भाजपा को खासी किरकिरी झेलनी पड़ी। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ ने भी बृजभूषण शरण सिंह पर अंगुली उठाई थी, जिसके चलते उन्हें कुश्ती महासंघ के चुनाव से अलग रहना पड़ा। मगर उन्होंने कुश्ती महासंघ पर अपना दबदबा कायम रखने की नीयत से अपने एक करीबी को अध्यक्ष का चुनाव लड़ाया और उसे ही विजय भी मिली। उस पर भी अंगुलियां उठनी शुरू हुईं, तो खेल मंत्रालय को आखिरकार बृजभूषण शरण सिंह के करीबी को अध्यक्ष पद से हटाना पड़ा।

यह समझना मुश्किल है कि भाजपा के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उसने बृजभूषण शरण सिंह से अपना पल्ला छुड़ाना उचित नहीं समझा। उनकी जगह उनके बेटे को टिकट दे दिया। इससे बृजभूषण शरण सिंह को लेकर उठ रहे सवाल शांत नहीं हो जाएंगे। इसके पीछे एक वजह तो यह बताई जाती है कि उत्तर प्रदेश में राजपूत समाज लगातार भाजपा पर आरोप लगा रहा था कि वह राजपूत समाज के प्रत्याशियों का टिकट काट रही है।

दूसरा कारण यह हो सकता है कि बृजभूषण का टिकट कटने से उनके बगावत करने और उस सीट से भाजपा के हारने की आशंका हो सकती थी। मगर इस तरह समझौता करके भाजपा अगर अपनी एक सीट बचा भी ले, तो इससे उसके सिद्धांतों पर सवाल तो उठेंगे ही। लंबे समय से मांग की जा रही है कि राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों का चयन करते हुए उनकी छवि का ध्यान रखें। निर्वाचन आयोग ने भी कहा था कि राजनीतिक दल आपराधिक छवि के लोगों को चुनावी मैदान में उतारने से परहेज करें। अगर वे किसी ऐसे प्रत्याशी को टिकट देती हैं, तो उन्हें इसका स्पष्टीकरण देना होगा कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया, क्या उसकी जगह कोई और प्रत्याशी नहीं मिला। बृजभूषण शरण सिंह की जगह उनके बेटे को टिकट देकर बेशक भाजपा इस जवाबदेही से बच गई है, पर यह तो जाहिर है कि वह चुनाव उनका बेटा नहीं, एक तरह से वे खुद लड़ेंगे।

बृजभूषण शरण सिंह पर बेशक अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, मगर जिस तरह महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किए और जांचों से भी उनके खिलाफ तथ्य सामने आए, उससे उन्हें फिलहाल निरपराध नहीं कहा जा सकता। यह भी छिपी बात नहीं है कि उनके खिलाफ आंदोलन पर उतरी महिला खिलाड़ियों को किस तरह दमन के जरिए आंदोलन से हटाया गया। इन सबको लेकर लगातार सरकार के रवैये पर सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद उनकी जगह उनके बेटे को टिकट देकर भाजपा ने एक तरह से एक नए विवाद को गले लगा लिया है। इसे लेकर विपक्षी दलों और महिला खिलाड़ियों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

सिंथेटिक ड्रग्स : दुनियाभर के लिए ये कितनी बड़ी समस्या बन रही है?

मार्च 2024 में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने विएना में संयुक्त राष्ट्र के नशीले पदार्थों या ड्रग्स से संबंधित आयोग को संबोधित किया था.इस दौरान उन्होंने कहा था कि अमेरिका में 18 से 45 वर्ष के आयुवर्ग में लोगों की मृत्यु का एक सबसे बड़ा कारण सिंथेटिक ड्रग्स या ओपियोइड्स हैं. हाल ही में प्रकाशित हुई एक रिपोर्ट के अनुसार 2022 में एक लाख आठ हज़ार लोगों की सिंथेटिक ड्रग्स के ओवरडोज़ के कारण मौत हुई. अमेरिका ही नहीं बल्कि कनाडा भी शक्तिशाली सिंथेटिक ड्रग्स की समस्या से जूझ रहा है.लैब में बनाए जाने वाले सिंथेटिक ओपियोइड्स की लत से छुटकारा पाना मुश्किल होता है और सिंथेटिक ओपियोइड्स के ग़लत इस्तेमाल की समस्या अब दुनिया के कई देशों में है.अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि दुनिया का कोई देश अकेले इस समस्या से नहीं निपट सकता.इस सप्ताह दुनिया जहान में हम यही समझने की कोशिश करेंगे कि क्या सिंथेटिक ओपियोइड्स दुनियाभर के लिए समस्या हैं?

दुनिया जहान रिक ट्रेबल एक फॉरेंसिक केमिस्ट हैं जो यूके सरकार की ड्रग्स के ग़लत इस्तेमाल संबंधी समिति के सलाहकार हैं. बीबीसी से बात करते हुए उन्होंने बताया कि सिंथेटिक ओपियोइड एक ऐसा पदार्थ है जिससे वही असर होता है जो ओपियम यानी अफ़ीम से निकाले गए पदार्थ से होता है. जो पदार्थ ओपियम पॉपी या अफ़ीम से निकालकर बनाए जाते हैं उन्हें ओपियोइड्स कहा जाता है. मिसाल के तौर पर मॉर्फ़िन और हेरोइन. यह अफ़ीम पॉपी जैसे प्राकृतिक पदार्थों से बनते हैं. वहीं सिंथेटिक ओपियोइड्स को प्रयोगशालाओं या लैबोरेटरी में बनाया जाता है. मॉर्फ़िन के मुकाबले सिंथेटिक ओपियोइड सैकड़ों गुना अधिक शक्तिशाली होते हैं.सिंथेटिक ड्रग्स या सिंथेटिक ओपियोइड्स हमारे ब्रेन के उसी हिस्से पर असर करते हैं जिस पर पौधों के इस्तेमाल से बनाए गए ओपियोइड्स असर करते हैं. ओपियोइड्स का इस्तेमाल दर्द निवारक दवाई की तरह किया जाता है.

रिक ट्रेबल कहते हैं, च्सिंथेटिक ओपियोइड्स में एक रिसेप्टर होता है जिसका इस्तेमाल दर्द कम करने या मरीज़ को बेहोश करने के लिए किया जाता है. मगर इस रिसेप्टर का एक बुरा असर यह है कि किसी व्यक्ति की श्वसन प्रणाली या रेसपिरेटरी सिस्टम को दबा देता है. अगर इस ओपियोइड का अधिक मात्रा में इस्तेमाल किया जाए तो उस व्यक्ति की दम घुटने से मृत्यु हो जाती है.1950 के दशक में दवा बनाने वाली कंपनियों ने ओपियोइड्स के फ़ायदेमंद गुणों की नकल पर आधारित सिंथेटिक ओपियोइड्स बनाना शुरू किया था. अब बाज़ार में सैकड़ों किस्म के सिंथेटिक ओपियोइड उपलब्ध हैं.रिक ट्रेबल ने कहा कि %कई बार किसी मरीज़ को सर्जरी से पहले बेहोश करने के लिए सिंथेटिक ओपियोइड दी जाती है. उस समय मरीज़ की सांस बरकरार रखने के लिए उसे ऑक्सीजन की सप्लाई की जाती है. मॉर्फ़िन के इस्तेमाल से काफ़ी देर तक मरीज़ का सिर चकराता रहता है मगर सिंथेटिक ओपियोइड के इस्तेमाल से ऐसा नहीं होता. प्रसव के समय दर्द कम करने के लिए भी सिंथेटिक ओपियोइड का इस्तेमाल किया जाता है. कैंसर के मरीज़ों का दर्द कम करने के लिए सिंथेटिक ओपियोइड के पैच का इस्तेमाल किया जाता है. कई देशों में सिंथेटिक ओपियोइड का इस्तेमाल पेनकिलर या दर्द निवारक दवा के तौर पर किया जाता है. मगर 1990 के दशक में इसके दुरुपयोग के मामले सामने आने लगे.रिक ट्रेबल कहते हैं कि अमेरिका में कुछ डॉक्टरों द्वारा सिंथेटिक ओपियोइड के ओवर प्रिस्क्रिप्शन की वजह से एक समुदाय में बड़ी संख्या में लोगों की इसकी लत लग गयी. जब अमेरिकी सरकार ने आवश्यकता से अधिक प्रिस्क्रिप्शन को रोकने के लिए कदम उठाए तो जिन लोगों को इस दवा की लत लग गयी थी उन्होंने इसके दूसरे विकल्प ढूंढने शुरू कर दिए. इस ओपियोइड ने अमेरिकी ड्रग मार्केट में हेरोइन की जगह ले ली. लोगों ने हेरोइन की जगह फ़ैंटानिल का सेवन शुरू कर दिया.

कई देशों की सरकारों ने अवैध ओपियोइड में इस्तेमाल होने वाले नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध लगा दिया है.मगर अवैध उत्पादकों ने इन पदार्थों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का कॉम्बिनेशन बदल कर नए ओपियोइड बनाना शुरू कर दिया है.रिक ट्रेबल कहते है कि कई जगहों पर अब नेटाज़नि ओपियोइड की बिक्री होती दिखाई दे रही है. नेटाज़नि, फ़ैंटानिल से भी अधिक तेज़ ड्रग है.यूके में भी नेटाज़नि के ओवरडोज़ से हुई मौतों के मामले सामने आये हैं. यूके सरकार ने फ़ैंटानिल और नेटाज़नि पर प्रतिबंध लगा दिया है मगर कई लोग इंटरनेट के ज़रिए इन ड्रग्स को हासिल करके अपने आसपास के इलाकों में बेच देते हैं. दरअसल, अब सिंथेटिक ओपियोइड के दुरुपयोग की समस्या दुनिया के कई देशों में फैल रही है.

संयुक्त राष्ट्र की ड्रग्स और अपराध के अध्ययन संबंधी संस्था में रिसर्च विभाग की प्रमुख डॉक्टर एंजेला मे कहती हैं कि दुनिया में ड्रग्स और ओपियोइड के दुरुपयोग के बारे में काफ़ी कम जानकारी उपलब्ध है.हम अनुमान लगा सकते हैं कि दुनियाभर में ड्रग्स से होने वाली 70 प्रतिशत मौतें ओपियोइड के दुरुपयोग से होती हैं. इससे पता चलता है कि दूसरे ड्रग्स के मुकाबले ओपियोइड की समस्या कितनी भयानक है.अमेरिका में इस समस्या का मुख्य कारण फ़ैंटानिल का इस्तेमाल है लेकिन दुनिया के दूसरे देशों में दूसरे सिंथेटिक ओपियोइड की वजह से यह समस्या फैल रही है.डॉक्टर एंजेला मे के अनुसार नशे के लिए सिंथेटिक ओपियोइड का इस्तेमाल दुनियाभर में हो रहा है. मिसाल के तौर पर मध्य पूर्व और पश्चिम अफ़्रीका के इलाकों में नशे के लिए ट्रैमाडोल का इस्तेमाल हो रहा है.उन्होंने कहा कि, च्हमारे पास ठोस संख्याएं सिर्फ़ नाइजीरिया के बारे में है जहां कम से कम पचास लाख लोग नशे के लिए ट्रैमाडोल का सेवन करते हैं. यह समस्या घाना, सेनेगल और बेनिन में भी है.ज्मिस्र के पिरामिड की मरम्मत का दुनियाभर के आर्कियोलॉजिस्ट क्यों कर रहे हैं विरोध- दुनिया जहानबीस साल पहले अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान ने अफ़ीम की खेती पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके बाद कई यूरोपीय देशों में नशे के लिए सिंथेटिक ओपियोइड का इस्तेमाल बढ़ गया था.डॉक्टर एंजेला मे का कहना है कि 2000 में तालिबान द्वारा अफ़ीम की खेती पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद हेरोइन की कमी हो गयी थी. उत्तरी यूरोप के कुछ देश- मिसाल के तौर पर एस्टोनिया में नशे के लिए सिंथेटिक ओपियोइड का इस्तेमाल बढ़ गया था.मगर 2001 के अंत में अमेरिका ने अफ़ग़ानिस्तान पर हमला कर के तालिबान को हटा दिया और अफ़ीम की खेती पर से प्रतिबंध हट गया. लेकिन 2022 में अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान दोबारा सत्ता में आया और अफ़ीम की खेती पर रोक लग गयी.डॉक्टर एंजेला मे ने कहा, चिंता यह है कई देशों के बाज़ार में शक्तिशाली सिंथेटिक ओपियोइड हेरोइन की जगह ले रहे हैं. अगर दुनियाभर में देखा जाए तो हेरोइन का इस्तेमाल करने वालों में महिलाओं की संख्या 25 प्रतिशत है यानी हेरोइन का ज़्यादा इस्तेमाल पुरुष कर रहे हैं. मगर नशे के लिए सिंथेटिक ओपियोइड के इस्तेमाल करने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक है.

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम 140: विदाई के समय माता सुनयना को आश्वासन, 'मैं हूं आपका पुत्र राम!'

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

यह सुनकर श्री राम मुस्कुराने लगे और सीता जी ने उस बालिका को गले से लगा लिया। विवाह के अवसर पर प्राप्त अनेक बहुमूल्य उपहारों के मध्य सीता जी ने उस बालिका द्वारा दी गई छलनी को अत्यंत सहेज कर प्रेम से रखवाया। उनकी दृष्टि में मिथिला का हर व्यक्ति और उसके द्वारा दी गई कोई भी भेंट अमूल्य है, और इसमें कोई भेदभाव नहीं है।

राजा जनक ने अपनी सुपुत्री सीता को अनेक अनुपम उपहार भेंट किए। राजा दशरथ ने कहा, ''नृपश्रेष्ठ इन सब की आवश्यकता नहीं है। मिथिला नंदिनियां हमारे परिवार की बहू बनकर आ रही हैं,ये हमारे लिए सबसे बड़ा सौभाग्य है, अतः उनके साथ कुछ और मत भेजिए।''

''महाराज! मैं आपको क्या दे रहा हूं और दे भी क्या सकता हूं? सीता और उर्मिला के कन्यादान के बाद अब मेरे पास देने के लिए और कुछ है भी नहीं। वे दोनों ही मेरी आखिरी पूंजी हैं, जिन्हें मैं समर्पित कर चुका हूं।'' महाराज जनक ने भावुक होते हुए कहा।

महाराज दशरथ निःशब्द हो गए।

महाराज जनक ने आगे कहा, ''सीता के साथ जो भेंट सामग्रियां हैं, वे सीता के लिए हैं। महाराज आप इसे स्वयं का क्यों समझ रहे हैं? अब मैं अपनी शक्ति के अनुसार स्वेच्छा से अगर अपनी पुत्री को कुछ देना चाहता हूं तो इसमें अनुचित तो कुछ भी नहीं है?''

''जैसी आपकी इच्छा जनक जी!'' महाराज दशरथ ने कहा।

चारों राजकुमारियां अपनी सखियों के बाद अब अपनी माताओं से मिल रही हैं। माताओं की आंखों में आंसुओं की अविरल धार है। माता और संतान का संबंध गर्भनाल से ही प्रारंभ हो जाता है।नौ माह तक माता और संतान का एक ही शरीर अभिन्न रूप में होता है।यह संतान जब ब्याह के बाद विदा होती है, तो पहली बार माता को यह अनुभूति होती है कि मेरी पुत्री अब मुझसे सदा के लिए अलग हो गई है। इससे भी बड़ी पीड़ा इस बात की होती है कि मैंने अपनी पुत्री के ऊपर अपना अधिकार खो दिया है।

''ऐसा न समझें माता कि सीता पर आपका अधिकार नहीं रह गया है।वे पहले आपकी सुपुत्री हैं, फिर अयोध्या नरेश की पुत्र वधू। और आप यह न भूलें माता कि आपकी पुत्री अगर सदा के लिए आपसे अलग हो रही है तो आपका सुपुत्र यह राम, सदा के लिए आपके पास आ गया है।'' विदाई के समय अपनी पुत्री सीता को कंधे से लगाई हुई महारानी सुनयना से श्री राम ने कहा।

(भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है।संस्कृत में आदिकवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं। लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है।उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक साधारण भक्त की अपनी कल्पनादृष्टि से रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

सामयिक चर्चा

दिखावे का जमाना

बानी ने भैया जी से पूछा –
''आपने पिछले साल की तरह,
एक मई, मजदूर दिवस को,
बोरे बासी क्यों नहीं खाया?''
भैयाजी बोले– ''हम तो, सब व्यवस्था कर,
एकदम तैयार थे बानी!
पर क्या करें,
फोटो वीडियों शूट करने वाला
ही नहीं आया।''

–गिरीश बख्शी

शब्द सामर्थ्य -048

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रूप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

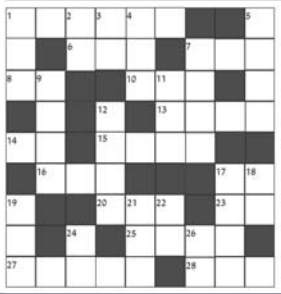

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 047 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्त	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सू- दोकू क्र.048

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.047 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

कविता

श्रममेव जयते

झोपड़ी से महल बनाने वाले श्रम को प्रणाम
चाहे हो ठंड, चाहे हो तपती धूप या भीषण बारिश
मजदूर कहीं नहीं रूकता, अनवरत पसीने बहाता
निर्जन वन, पसीने की कमाई ईंट उठाए नारी
इन पर है ईश्वर का वास, आशीर्वाद।
हे श्रमिक तूने बनाए मंदिर, मस्जिद,
गुरूद्वारा, गिरिजा घर, तूने बनाए रियासती महल
किन्तु किसी ने नहीं लिखा अपना नाम
इनका नाम सिर्फ श्रमिक ही है।
सृष्टि के आरंभ से ही हुआ मजदूर वर्ग का जन्म,
विश्वकर्मा ने शिल्पकलाओं को दिया आकार
पूजा होती है इस शिल्प की भगवान के रूप में,
मजदूरों ने बनाई भारवरा नंगल, बहुउद्देशीय बांध।
मजदूरों ने लगाई बिजली के खंभे एवं तार
आपने बनाई रेल्वे लाईन, बिछाई पटरी
दौड़ रही हैं ट्रेंने, मालगाड़ी।
आप ने बनाई पुल, पुलिया और कोलतार की सड़कें,
न सताए मालिक, मजदूरों को, उचित श्रम दें,
श्रमिकों के रोटी में होता है सुख रूपी मेहनत की कमाई
समान काम के लिए दें समान मजदूरी।
तू बना सकता हे पहाड़ को तालाब,
तू निकाल सकता है चट्टान से पाताल तोड़ कुंआ,
श्रम की ताकत का ही फल है रविशंकर बांध गंगरेल
इतिहास गवाह है मजदूरों की सौगात-ताजमहल,
लाल किला, कुतुबमीनार, गोल गुंबद, बुलंद दरवाजा।
आज मैं हजारों श्रम वीरों को जिन्होंने बनाया राममंदिर,
एक सौ चालिस करोड़ भारतीयों के राय को प्रतिष्ठापित किया
जीवन में सत्यमेव जयते के साथ होगी श्रममेव जयते।
श्रम को श्रमिक को सदा जनता का
प्रणाम, इसमें है ईश्वर का वास।

देवेन्द्र महोबे
खैरागढ़
9424129646

कविता

।धजा पताका ।।

गांव गली शहर नगरिया, जन-जन मन हरसाइस ।
दिसा-दिसा धजा पताका, राम लला जब आइस ।।
इहि दिन के आसा मा, साँसा कतको माटी महके।
उछाह मंगल स्वागत सिरतो,फहर-फहर फहराइस।।
झांझ मंजीरा ढोल तासा,करिन मंगल आरती गान।
धरती अगास छूवय पताका,धरम करम अभिमान।।
चिनहा भर नोहे येहा संगी, देव रक्षा दया असीस।
सत सील के धजा परस, नित दरस करय गुनमान।।
बिपत नसाये सुख बरसाये, साहित भगवान होथे।
दरस करय माथ नवाये, देव कस दया निधान होथे।।
खूंदावय चिरावय झन कभू, उड़ावय झन येती तेती।
धजा पताका मान होथे, टूटय गिरय हिनमान होथे।।

रोशन साहू (मोखला)
7999840942

राशिफल

मेष

आज का दिन आपके लिए खुशियां भरा रहने वाला है। आज किसी नए वाहन को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। आपके आस-पास के कुछ लोग आपके विरोधी भी बन सकते हैं जिनसे आपको बचना होगा। आज आपको योजना अनुसार ही कार्य करना चाहिए। यदि आप अपने बिजनेस में कुछ नए उपकरणों को शामिल करेंगे।

वृषभ

आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी। आज आपको अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखने की जरूरत है। विदेश जाने की इच्छा रख रहे लोगों को कोई अच्छा मौका मिल सकता है। आज आप अपने धन का सही इस्तेमाल करें। भविष्य के लिए कुछ धन संचय करने पर विचार कर सकते हैं।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपको लाभ होगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बीताएंगे। आज शाम को माता जी से अपने भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे, आपको माता जी का साथ मिलने से खुशी होगी।

कर्क

आज के दिन आपको इच्छित फल प्राप्त होंगे। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। घर के अन्य सदस्यों के साथ भी आपकी अच्छी बॉन्डिंग बनेगी।

सिंह

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप पूरा करेंगे। माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वो आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

कन्या

आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है। आज आपका पुराना मित्र आपसे मिलने आयेंगे, जिनसे मिलकर अपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे7 जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार से मिलने का मौका मिलेगा।

तुला

आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है। आज आपको बेकार की उलझन में पड़ने से बचने की जरूरत है। जिंदगी में चल रही भागदौड़ के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

वृश्चिक

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। जीवनसाथी से किसी काम को लेकर विचार विमर्श करेंगे। आप अपने मित्रों के साथ किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। पिता का आशिर्वाद आप पर बना रहेगा। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलियत पर भरोसा करें।

धनु

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो आपके काम जल्दी निपटेंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। आज किसी काम में जल्दबाजी और गुस्सा नहीं करेंगे तो आपका काम आसानी से हो जायेगा।

मकर

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। दिनचर्या में टहलना शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कोई पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आज आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा।

कुंभ

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में कार्यरत लोगों को तरक्की मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। किसी नए काम की शुरुआत जीवनसाथी से करा सकते हैं। आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं। संतान के बेहतर भविष्य के लिये आज आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

मीन

आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। किसी बचपन के मित्र से बहुत दिनों बाद मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आपको खुशी होगी। यदि आपने बचत संबंधी योजनाओं पर पूरा ध्यान लगाया तो आप भविष्य के लिए कुछ धन संचय करने में कामयाब रहेंगे।

सीएचसी गंडई में कबाड़ की तरह पड़ा है किट व मेडिसीन, सवालों के घेरे में स्वास्थ्य विभाग

गंडई पंडरिया (दावा)। राज्य सरकार द्वारा मरीजों को बेहत्तर स्वस्थ्य सुविधा मुहैया कराये जाने का ढिंढोरा पिटा जाता है। लेकिन गंडई के सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र को देखकर जरा भी ऐसा नहीं लगता कि यहाँ पर मेडिकल किट सहित मेडिसीन कबाड़ की तरह जर्जर भवन में रखा गया है। यहाँ तक कोरोनाकाल के समय उपयोग में किए गए पीपीई किट को भी डिस्पोज नहीं किया गया है, जो भवन के अंदर बिखरा पड़ा है। इस तरह कि घोर लापरवाही जिम्मेदार प्रभारी के द्वारा क्यों किया गया और इन सबका जिम्मेदार कौन है यह जांच का विषय है।

अस्पताल प्रबंधन की मनमानी उजागर

गौरतलब है कि स्वस्थ्य विभाग एवं राज्य सरकार लोगों को अच्छी स्वस्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने कई योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन धरातल में इनका सही संचालन नहीं होने के चलते स्वस्थ्य सुविधाएं बेहाल नजर आ रही है। जब हमारे संवाददाता ने नगर के सीएचसी केंद्र का दौरा किया तो अस्पताल प्रबंधन की मनमानी खुलकर सामने आई। यहाँ पर जर्जर हो चुके भवन पर नए मेडिसिन सहित पुराने व कई कीट यत्र-तत्र बिखरा पड़ा हुआ पाया गया। जो अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही को उजागर करता है। भवन के अंदर सीमेंट कि मोटी परत जमे हुये है, इस कारण धूल का गुबार उड़ने लगता है। भवन धूल-धूसरित होने के चलते दवाइयाँ पूरी तरह से कबाड़ व खराब हो चुके है। जबकि अस्पताल में दवाइयों के संरक्षण व देखरेख के लिए स्टोर रूम होता है। लेकिन यहाँ तो माजरा कुछ और ही है। जर्जर भवन में मेडिसीन के साथ-साथ फर्नीचर व अन्य सामान को कमरे मे ठूस दिया गया है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहाँ पर किस तरह की स्वस्थ्य सुविधाएं मरीजो को मिलती होगी।

बच्चों की दवाईयाँ व किट भी बेतरतीब

अस्पताल में जर्जर हो चुके इस भवन में बच्चों व गर्भवती महिलाओं रेयल्स ट्यूब, कोरोना वेक्सिन के खाली बोटल्स, आइरन की टेबलेट्स, कैथेटर, हाइजेन आदि इलाज के लिए आए मेडिसिन व किट मुख्य रूप से शामिल है। बताया जाता है कि सीजीएमएससी के ठेकेदार को वर्तमान में चल रहे 50 बिस्तर अस्पताल भवन के मटेरियल रखने हेतु इस जर्जर भवन को दिया गया था। जिसमें ठेकेदार द्वारा सीमेंट की बोरियां रखी गई थी, इस कारण यहाँ पर सीमेंट के उबार से भवन भरा हुआ है। इसी बीच में मेडिसीन व किटे रखी गई है, जो पूर्णतः अनुचित है।

वेक्सिन कोल्ड बाक्स की जानकारी इंचार्ज को नहीं

जानकारी के अनुसार कमरे के अंदर लगभग 17 कार्टून नए वेक्सिन कोल्ड बॉक्स रखे हुये है जब इसके बारे मे श्रीमति सरोज वर्मा एलएचवी सुपरवाइजर से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि कमरे में वैक्सिन कोल्ड बॉक्स रखा है, इसकी जानकारी मुझे नहीं है। जबकि इस बॉक्स की पूरी जिम्मेदारी श्रीमति वर्मा की ही है। इसी प्रकार वैक्सिन, टेबलेट्स नोजल्स आदि का प्रभार देख रहे प्रमोद साहू फार्मासिस्ट ने भी जानकारी नहीं होने का हवाला दिया इससे ऐसा प्रतीत होता है कि अस्पताल के कर्मचारी अपने ही जिम्मेदारी से मुकर रहे है। जो अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही को उजागर करता है। उच्च अधिकारी ने कहा कि एक्सपायर होने वाली दवाओं के डिस्पोज करने का एक सिस्टम होता है, इन्हें इस तरह फेंका नहीं जा सकता। कुल मिलाकर दवाओं के एक्सपायर होने से लेकर उसे इस तरह कूड़े के ढेर में फेंके जाने के मामले में स्वास्थ्य विभाग कई सवालों के घेरे में है। गहराई से जांच हो तो इसमें बड़ी लापरवाही और अनियमित उजागर होगी।

आयरन की एक्सपयर टेबलेट्स का अंबार

जानकारी के अनुसार जर्जर भवन मे लगभग आयरन की 20 हजार गोलियां एक्सपायर हो चुकी है। इससे यह साबित होता है कि इन गोलियों का वितरण ही नहीं किया गया है और फिर से 60 हजार आयरन की गोलियां अस्पताल को उपलब्ध कराई थी। मरीजों को दवाइयों का लाभ नहीं मिलने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है। इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है, जब मरीजों को दवाइयों का लाभ ही नहीं मिल पा रहा है, तो ऐसी स्थिति में अस्पताल को इतनी सारी दवाइयाँ उपलब्ध कराये जाने का क्या औचित्य रह जाता होगा।

कोरोनाकाल के पीपीई किट को नहीं किया डिस्पोज

0 कूड़े में फेंकी गई महंगी दवाईयां

हमेशा दवाओं की कमी का रोना रोने वाले सरकार के स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से लाखों की दवाई व किट एक्सपायर हो गई और कचरे के ढेर में फेंक दी गई। ऐसा गंडई क्षेत्र में हुआ है। गंडई सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र परिसर में लाखों रुपये मूल्य कि एक्सपायर और नान एक्सपायर दवाएं कूड़े की तरह फेंकी पायी गई। ये दवाएं हास्पिटल परिसर के अंदर चंद कदमों के फासले पर पुरानी बिल्डिंग में मिलीं। जबकि प्रभारी सहायक चिकित्सा अधिकारी का कहना था कि इसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं थी हालांकि वह कह रहे हैं कि सभी दवाई एक्सपयर है, जिसे डिस्पोज किया जाएगा।

ज्ञात हो कि खिचड़ी की तरह डंप की गई एक्सपायर दवाइयों में कई दवाई कीमती है और जीवरक्षक है। दवाएं साल 2020 और 21 के अलग-अलग महीने में एक्सपायर हुई है इसमें कुछ टॉनिक कफ सिरप बच्चों की दवाई और एंटीबायोटिक भी है जिनका उपयोग कोविड काल में हो सकता था। जिले के दुरुस्त ग्रामीण क्षेत्र में स्थित सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ की कमी है। जिसकी वजह से स्वस्थ्य विभाग जितनी मात्रा में दवाई मांगता है उसका पूरा उपयोग नहीं हो पता। कचरे के ढेर में पाई गई दावों में आयरन की टेबलेट्स काफी मात्रा में है जिसके एक पत्ते की कीमत 180 है, यह दवा अक्टूबर 2021 में एक्सपायर हुई है। सेटिरिज़िन सिरप, अमाक्सीसिलिन सहित कई दवाई डंप है। अब सवाल यह है कि जब दवाइयाँ साल 2020-21 में एक्सपयर हो गई तो अब तक डिस्पोज क्यो नहीं किया गया? इसे डंप कर क्यों रखा गया है?

0 अस्पताल प्रबंधन पर उठ रहे सवाल

सवाल तो अस्पताल प्रबंधन पर यह भी उठ रहा है कि जब इतनी सारी दवाई की जरूरत नहीं थी तो आवश्यकता से अधिक दवाई क्यों मंगाई गई। अगर यहां वितरण नहीं हो रहा था तो अन्यत्र स्वास्थ्य केन्द्रों में उसे क्यों नहीं भेज दिया गया। आपको बता दे कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवाओं की कमी की शिकायत हमेशा मिलती रहती है, लेकिन जो जरूरी दवा उपलब्ध रहती भी है तो वह बेकार हो जाता है।

> मेडिसीन का प्रभार में अंडर में है एक्सपयर दवाईयों को अस्पताल के ही भवन मे रखा गया है, यह यह दवाईयाँ उपयोग ना हो इसके चलते अन्यत्र जगह रखा गया है। 5 दिनों के भीतर डिस्पोज किया जाएगा।
>
> **- प्रमोद साहू, फार्मासिस्ट**

> एक्सपायर एवं नेयर दवाईयाँ अलग से दूसरे भवन में रखी गई है। डिस्पोज करना बाकी है।
>
> **- प्रशांत सोनी, सहायक चिकित्सा अधिकारी**

> मेडिसिनो को इस तरह यत्र-तत्र कचरे के ढेर जैसा पड़े रहना लापरवाही है। इसके बारे मे जानकारी नहीं है। पीपीई किट एक्सपायर नहीं होती, इसे संक्रमितों की जांच के लिए उपयोग में लाया जाता है। जानकारी लिया जाएगा, जांच कराई जाएगी। अगर लापरवाही मिलती है तो जांच के आधार पर कार्यवाही कि जाएगी।
>
> **- मनीष बघेल, खंड चिकित्सा अधिकारी**

पीपीई किट को नहीं किया डिस्पोज

कोरोनाकाल के समय से उपयोग किए गए पीपीई किट को भी इसी भवन के अंदर रख दिया गया है जबकि नियमानुसार उपयोग हो चुके इस किट को डिस्पोज कर दिया जाना था। लेकिन ऐसे में अस्पताल प्रबंधन के द्वारा लापरवाही किया और नियमो की धज्जियां उड़ा दी गई। बताया जाता है कि कमरे मे वर्ष 2021-22 मे अधिकांश दवाइयाँ एक्सपयरी हो चुके है तथा कुछ ही एक्सपयरी नहीं हुये दवाइयो को भी रखा गया है। साथ ही साथ उपयोग हो चुके दवाइयो के डिब्बे भी पड़े हुये है। इससे ऐसा लगता है की मरीजो को मेडिसीनों का लाभ नहीं मिल पाता।

एलएलबी कप बेसबॉल में अजीज पब्लिक स्कूल की टीम ने पहले ही वर्ष में रजत पदक प्राप्त किया

डोंगरगढ़ (दावा)। बिलासपुर में आयोजित तीन दिवसीय एल.एल.बी. बेसबॉल अंडर 12 बालक वर्ग की प्रतियोगिता अयोजीत की गई थी. अजीज पब्लिक स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार जीत दर्ज करते हुए फाइनल मुकाबले में पहुंची. पहला मैच ए.पी.एस. रामाटोला विरुद्ध संदीप अली अकादमी के साथ रहा। जिसमें ए. पी. एस. रामाटोला की टीम ने 13-5 से विजय हासिल की. वही टीम का दूसरा मुकाबला ए. पी. एस. रामाटोला विरुद्ध बेसबॉल क्लब मुंगेली से हुआ टीम 6 -00 से विजय हुई.ए. पी. एस. रामाटोला की टीम अपने पाली की टॉपर टीम बनी। इस जीत के साथ ए.पी.एस. रामाटोला की टीम सेमीफाइनल राउंड में प्रवेश की जहां उनका मुकाबला जी.पी.एम.टीम के साथ हुआ इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 23-5 से विजय होकर फाइनल में प्रवेश किया।

कोच ओमान नारायण ने बताया कि यह बच्चे पहली बार बेसबॉल का खेल खेलते हुए उत्तम प्रदर्शन किया जो की काफी हर्ष का विषय है. और उनका सामना पिछले साल की विजिट टीम बिलासपुर बेसबॉल क्लब के मध्य हुआ. यह मुकाबला यह काफी अच्छा रह। लेकिन ए. पी. एस. रामाटोला के विजय रथ को विजेता टीम बिलासपुर बेसबॉल क्लब की टीम एक बार फिर अपने जीत के सामने नहीं आने दी और दो इनिंग्स से अपनी जीत दर्ज की। अजीज पब्लिक स्कूल रामाटोला के प्राचार्य सचिन पाल सिंह ठाकुर और उपप्राचार्य तन्मय शर्मा ने सभी बच्चों को बधाई देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया और उज्जवल भविष्य की कामना की, शाला प्रबंधक ने भी बच्चों को बहुत-बहुत बधाई दी।

शाला के उपप्राचार्य ने बताया कि शाला के खेल शिक्षक ओमान नारायण की निगरानी में यह टीम एक माह की कड़ी मेहनत कर प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंची थी और यह वर्ष की शुरुआत में ही इस प्रकार का प्रदर्शन विद्यार्थी एवं शाला के लिए गौरव की बात है. टीम कोच ओमान नारायण, क्षितिज मेश्राम, राहुल ठाकुर सहित समस्त टीम के खिलाड़ियों को बधाई दी।

रेलवे ने सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए जागरूकता अभियान चलाया

रेलवे का सराहनीय प्रयास, आम जनों ने की प्रशंसा

डोंगरगढ़ (दावा)। समपार फाटकों और आसपास के गांवों में सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए जागरूकता अभियान के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा माननीय किरण मोहन गजभिए, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में 4 मई 2024 को नागपुर पाँच पाओली स्थित समपार फाटक क्रमांक 570 और डोंगरगढ़ स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक का सफल मंचन किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार फाटक पार करते समय ली जाने वाले सावधानियों, समपार फाटक के पहले लगाए गए चेतावनी बोर्ड का सख्ती से पालन करने, सड़क वाहन चलते समय और समपार फाटक को पार करते समय हैड फोन का इस्तेमाल ना करने तथा नियमो का उल्लंघन करने पर दंड के प्रावधानों के बारे मे विस्तार से संदेश दिया गया। नुक्कड़ नाटक को भारत स्काउट और गाइड के कैडेट के द्वारा नागरिक सुरक्षा संगठन के स्वयंसेवकों और संरक्षा टीम के सहयोग से सफल मंचन किया गया।

अध्यक्ष गीता घासी साहू ने किया महतारी वंदन योजना की लाभार्थी महिलाओं का सम्मान

मोदी जी की गारंटी पर सुदृढ़ हुआ जनता का विश्वास

राजनांदगांव (दावा)। भाजपा महिला मोर्चा मंडल रिसाली भिलाई द्वारा महतारी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महतारी वंदन योजना से लाभार्थी महिलाओं को सम्मान करते हुए राजनांदगाँव जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू ने कहा कि महिलाओं का सम्मान भाजपा ने ही किया है। जनधन खाता, उज्जवला सिलेण्डर, महिलाओं के नाम राशन कार्ड और महतारी वंदन योजना सभी महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की योजना है। उन्होंने कहा कि देश में मोदी जी की गारंटी पर जन-जन को विश्वास है। देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए, किसानों के सम्मान के लिए, सेना का हौसला बढ़ाने के लिए और भ्रष्टाचारियों को जेल भेजने के लिए नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की जरूरत है।

अध्यक्ष गीता घासी साहू ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार बनी और मात्र 100 दिनों में महत्वपूर्ण बड़े बड़े वादे जो मोदी की गारंटी के नाम से थे, उन्हें पूरा किया गया है। महतारियों बहनों के खाते में महतारी वंदन योजना की तीसरा किस्त भी जमा हो चुकी है। लोगो ने कमल खिलाने की ठान ली है लोगों को मोदी जी की गारंटी पर विश्वास है और दुर्ग लोकसभा मे विजय बघेल की विजय निश्चित है। महिला मोर्चा नेत्रियों ने अपने उद्बोधन में मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को विजयी बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस दौरान रिसाली महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष रुखमणी साहू, उपासना साहू, आरती शर्मा, आशा यादव, ललिता सिंग, सुषमा सिंग सहित महिला मोर्चा कार्यकर्ता बड़ी संख्या मे मौजूद रहे।

मानपुर में बाल विवाह सामाजिक अभिशाप रोकथाम अंतर्विभागीय कार्यशाला का आयोजन

मोहला (दावा)। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशानुसार गतदिवस बाल विवाह मुक्त जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के उद्देश्य से विकासखंड मानपुर में बाल विवाह सामाजिक अभिशाप रोकथाम अंतर्विभागीय कार्यशाला का आयोजन मानपुर के सामुदायिक भवन में किया गया। कार्यशाला में सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितानिन, बिहान की महिलाओं की संगोष्ठी सह बैठक रखी गई थी। जिसमें बाल विवाह सामाजिक अभिशाप के संबंध में जानकारी देते हुए, दंड के प्रावधान की जानकारी दी गई, कार्यशाला में उपस्थित समस्त सदस्यों द्वारा शपथ लिया गया कि हम बाल विवाह नहीं होने देंगे और लोगों को बाल विवाह नहीं करने के लिए जागरूक करेंगे। साथ ही कार्यशाला के बाद मानपुर में बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में बाल विवाह रोकथाम के नारे लगाते हुए बाल विवाह सामाजिक अभिशाप का संदेश देते हुए रैली का आयोजन किया गया। कार्यशाला में परियोजना निदेशक हेमंत ठाकुर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी ए.के. कौर, परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास अर्चना दुर्गम, एनआरएलएम के बीपीएम रामकुमार विश्वकर्मा सहित सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितानिन, बिहान की महिलाओं की संगोष्ठी उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त होने पर हायर सेकंडरी स्कूल रेंगाकठेरा के वरिष्ठ व्याख्याता भीखमराम साहू को दी गई विदाई

जंगलपुर (दावा)। शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल रंगाकठेरा डोंगरगढ़ के वरिष्ठ व्याख्याता भीखम राम साहू को सेवानिवृत्ति होने पर शाला परिवार, शाला प्रबंधन समिति व ग्रामीणों ने विदाई दी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य अरुणा अम्बादे तथा विशेष अतिथि सरपंच नरसिंग वर्मा ने की। इस अवसर पर प्राथमिक, माध्यमिक व हायर सेकंडरी स्कूल तीनों स्कूलों के शिक्षकों ने मोमेंटो, शाल व श्रीफल भेंटकर कर सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मानित किया।

वरिष्ठ व्याख्याता ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी से करना चाहिए जिससे शिक्षक का सम्मान समाज में बना रहे।

अंत में साहू ने कहा कि सेवानिवृत्ति एक शासकीय प्रक्रिया है जिससे सभी अधिकारी कर्मचारी को गुजरना पड़ता है। शिक्षक साहू ने 15 जून 2015 से 30 अप्रेल 2024 तक रंगाकठेरा स्कूल में अपनी सेवा दी। इस प्रकार साहू ने शिक्षा विभाग में 38 वर्ष अपनी सेवा दी। विदाई कार्यक्रम में शाला परिवार के प्राचार्य अरुणा अंबादे, वरिष्ठ व्याख्याता महेश सुधाकर, वेणुगोपाल साहू, दानेश्वर कुमार, होमेंद्र देवांगन, विरेन्द्र कुमार, विश्वनाथ राणा प्राधान पाठक माध्यमिक शाला, चुरेन्द्र साहू प्राधान पाठक प्राथमिक शाला व सरपंच नरसिंग वर्मा व स्कूली बच्चे व ग्रामीणजन उपस्थित थे। सभी ने साहू सर का कार्य की सराहना की व सम्मान किया।

विधायक भोलाराम साहू ने दुर्ग लोकसभा प्रत्याशी राजेन्द्र साहू का प्रचार प्रसार किया

भाजपा सरकार साय साय बंद कर रही सारी जनहित योजनाएं

खुज्जी (दावा)। विधायक भोलाराम साहू ने दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में लगातार प्रचार प्रसार कर रहे है। लोकसभा चुनाव की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे चुनाव प्रचार भी तेज होती जा रही हैं। जिसमे दुर्ग लोक सभा प्रत्याशी राजेंद्र साहू को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। खुज्जी विधायक दुर्ग लोक सभा के ग्रामों एवं शहरो में राजेंद्र साहू के समर्थन में वोट देने की अपील कि और विधायक ने विभिन्न ग्रामों एवं शहरो में पहुंच कर कांग्रेस पार्टी के 5 न्याय सहित जन हितैषी घोषणा को जन जन तक पहुंचा रहे है। प्रचंड मतों से विजय बनाने प्रचार करते हुए दुर्ग लोकसभा प्रत्याशी राजेंद्र साहू को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। इसी कड़ी मे दुर्ग लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र साहू के चुनावी सभा मे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, खुज्जी विधायक भोला राम साहू, वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रावणभाटा सुपेला में आयोजित चुनावी सभा में शामिल हुए। पूर्व सीएम बघेल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कि भाजपा जो 400 पार का नारा लगा रही है। वह अपने अंहकारी नीति व सत्ता में चूर मतवाले हाथी तरह है। संविधान और आरक्षण बदलने की मंशा बना रही है। भाजपा सरकार लबरा सरकार है, सत्ता में आते ही महंगाई का ग्राफ बढ़ते जा रहा है। सिलेण्डर, राशन, मोटरसाइकिल, पेट्रोल, डीजल, सोना-चांदी महंगा सब साथ-साथ हो रहा है। अब तो स्कूल और कॉलेज, प्रतियोगिता परीक्षा में फीस लेकर गरीब व प्रतिभावान छात्राओं को आर्थिक क्षति होगी। कांग्रेस सरकार के कई जीवनदायिनी योजना गौठान, रीपा, कम्पोस्ट खाद योजना पर तो ताला ही लगा दिया है। गोबर खरीदी बंद कर दी. पूरे देश व प्रदेश में केन्द्रीय जांच एजेंसिया का दबाव बनाकर दल-बदल का खेल-खेल रही है। मंहगाई से पूरा देश हाहाकर है। कांग्रेस के प्रत्याशी राजेन्द्र साहू को जिताये।

पहला कॉलम...

केन्या में भारी बारिश से तबाही जैसा मंजर, अबतक 228 की मौत

नैरोबी। अफ्रीकी देश केन्या में भारी बारिश से भारी तबाही मच गई है। बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 228 हो गई है। आंतरिक मंत्रालय ने रविवार को इसकी जानकारी दी। हाल के सप्ताहों में देश भर में हुई मूसलाधार बारिश के कारण बड़े पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन हुआ है, जिसके मई में और बदतर होने का अनुमान है। एक बयान में, मंत्रालय ने कहा कि निचले इलाकों, तटवर्ती क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों में और बाढ़ आने की आशंका है। वहीं, खड़ी ढलानों और खड्डों वाले क्षेत्रों में भूस्खलन/कीचड़-धंसाव हो सकता है। बाढ़ ने पूर्वी अफ्रीका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में घरों, सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है। मंत्रालय ने कहा कि प्रतिकूल मौसम के कारण कम से कम 164 लोग घायल हुए हैं, जबकि 212,630 लोग विस्थापित हुए हैं।

सादिक खान तीसरी बार बने लंदन के मेयर, रच दिया इतिहास, ब्रिटिश मीडिया का दावा

नई दिल्ली। लंदन के मेयर के तौर पर लेबर पार्टी की ओर से लगातार तीसरी बार सादिक खान चुने गए हैं. बीबीसी समेत कई ब्रिटिश मीडिया संस्थानों ने सादिक खान की जीत का दावा किया है. शनिवार (4 मई) को हुई मतगणना में पाकिस्तानी मूल के सादिक लगातार आगे चल रहे थे.53 वर्षीय लेबर पार्टी के नेता सादिक खान पाकिस्तानी मूल के हैं. पेशे से वकील सादिक खान ने सिटी हॉल में तीसरी बार कंजर्वेटिव प्रतिद्वंद्वी सुसान हॉल को शिकस्त दी है. अब वह इस पद पर सबसे लंबे समय तक रहने वाले पूर्ववर्ती बोरिस जॉनसन से आगे निकल गए हैं. सादिक खान को 1140 वोट मिले जबकि एलडी उम्मीदवार को 521, ष्टह्ह को 13, ढ्ढह्ष्ठ को 228, ग्रीन को 181 जबकि ऋ को 48 वोट मिले हैं.

जीत के बाद सादिक खान ने लंदनवासियों को धन्यवाद दिया है. उन्होंने कहा, ÷जिस शहर से मैं प्यार करता हूं, उसकी सेवा करना मेरे जीवन का सम्मान है और मैं इस समय बहुत विनम्र हूं.÷ सादिक खान की उपस्थिति में कुछ लोग हंगामा कर रहे थे. उन्हें रिटर्निंग ऑफिसर ने ऐसा करने पर हटाने की चेतावनी दी. इसके बाद मामला शांत हुआ.

चेन्नई सुपर किंग्स को लगा बड़ा झटका, मथीशा पथिराना हुए पूरे सीजन से बाहर

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स की आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में जाने की उम्मीदों को झटका लग गया है. पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में सीएसके ने मथीशा पाथिराना को प्लेइंग इलेवन में ना रखे जाने से कई सवाल उठने लगे थे. अब चेन्नई सुपर किंग्स की ऑफिशियल वेबसाइट पर एक स्टेटमेंट जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि पाथिराना पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं. पाथिराना मौजूदा सीजन में केवल 6 मैचों में 13 विकेट चटका चुके थे, लेकिन अब वो चोट के कारण वापस श्रीलंका लौट गए हैं. उनका इकॉनमी रेट केवल 7.68 का रहा था, इसलिए एक विकेट टेकिंग गेंदबाज के जाने से ष्टस्य को बहुत तगड़ा झटका लगा है.

सीएसके ने स्टेटमेंट जारी करते हुए बताया कि मथीशा पथिराना को हैमस्ट्रिंग इंजरी आई है और आगे की जांच के लिए वो वापस श्रीलंका लौट गए हैं. चेन्नई की मुश्किलें इसलिए भी बढ़ गई हैं क्योंकि उनसे पहले दीपक चाहर भी हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठे हुए हैं. उनके अलावा मुस्तफिजुर रहमान बांग्लादेश की अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के कारण पहले ही बांग्लादेश की टीम को जॉइन कर चुके हैं. ऐसे में चेन्नई सुपर किंग्स के पास तेज गेंदबाजी में बहुत कम विकल्प बचे हुए हैं.

स्विमिंग पूल में डूबने से मासूम की मौत

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। जहां स्विमिंग पूल में डूबने से 9 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। इस मामले में मृतक के परिजनों ने वाटर पार्क प्रबंधन पर अव्यवस्था का आरोप लगाया है। फिलहाल, पुलिस मामले में मर्ग कायम कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी में मुताबिक, यह घटना क्रिसेंट वाटर पार्क की है। जहां आज सुबह स्विमिंग पूल में नहाने के दौरान भोपाल निवासी आरुष राजपूत की डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। मृतक के परिजनों ने वाटर पार्क प्रबंधन पर आरोप लगाया है कि वाटर पार्क के अंदर रेस्क्यू संबंधी कोई भी व्यवस्था नहीं है और न ही फर्स्ट एड किट की सुविधा है। घटना के दौरान वहां कोई स्विमिंग एक्सपर्ट या गोताखोर भी उपस्थित नहीं था। अगर वाटर पार्क में प्राथमिक व्यवस्थाएं होती तो शायद बच्चे को बचाया जा सकता था।

कोलकाता की 98 रनों से जीत, लखनऊ को दूसरी बार दी मात, गेंदबाजों ने बरपाया कहर

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के 54वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स की भिड़ंत कोलकाता नाइट राइडर्स से हुई। केकेआर ने लखनऊ को 98 रन से मात देकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। केकेआर के 236 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स की पूरी टीम 16.1 ओवर में 137 रन बनाकर सिमट गई। टीम की तरफ से मार्कस स्टोइनिस ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सके। हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती ने 3-3 विकेट लिए।

इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 235 रन बनाए। सुनील नरेन ने 39 गेंदों पर 81 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 7 छक्के जड़े। उनके अलावा अंगकृष ने 32 रन और श्रेयस (23) और रमनदीप (25*) रन बनाए। पहली बार किसी टीम ने इकाना स्टेडियम में 200 प्लस का स्कोर खड़ा किया। केकेआर की तरफ से फिल सॉल्ट और सुनील नरेन ने केकेआर को धमाकेदार शुरुआत दिलाई थी। फिल सॉल्ट ने 14 गेंद पर 32 रन बनाए। दोनों के बीच 61 रन की साझेदारी हुई थी.

अंक तालिका का हाल

इस जीत के साथ कोलकाता अंक तालिका में 16 अंकों के साथ पहले स्थान पर पहुंच गई। वहीं, लखनऊ का नेट रनरेट -0.371 हो गया और टीम पांचवें पायदान पर पहुंच गई। लखनऊ अब अपना अगला मुकाबला आठ मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। वहीं, कोलकाता 11 मई को आईपीएल का 60वां मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ घर में खेलती नजर आएगी।

लखनऊ की पारी

236 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई। टीम को पहला झटका 20 रन के स्कोर पर लगा। इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर उतरे अर्शिन कुलकर्णी को मिचेल स्टार्क ने आउट किया। वह सिर्फ नौ रन बना सके। टीम को दूसरा झटका केएल राहुल के रूप में लगा जो 25 रन बनाकर लौटे।

इस मैच में मार्कस स्टोइनिस के अलावा कोई भी बल्लेबाज नहीं चला। उन्होंने चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रनों की पारी खेली। कोलकाता के खिलाफ दीपक हुड्डा ने पांच, निकोलस पूरन ने 10, आयष बडोनी ने 15, टर्नर ने 16 क्रुणाल पांड्या ने पांच, युद्धवीर सिंह ने सात, रवि बिश्नोई ने दो रन बनाए। वहीं, नवीन-उल-हक बिना कोई रन बनाए नाबाद रहे कोलकाता के लिए हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा रसेल ने दो और मिचेल स्टार्क व सुनील नरेन को एक-एक सफलता मिली।

बजरंग पूनिया की पेरिस ओलंपिक जाने की उम्मीदों को झटका, एनएडीए ने किया सस्पेंड

नई दिल्ली। बजरंग पूनिया की पेरिस ओलंपिक जाने की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी ने ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया को सस्पेंड कर दिया है। दरअसल, बजरंग पूनिया ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए सेलेक्शन ट्रायल में डोप टेस्ट नहीं दिया था, जिसके बाद राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (ह्लष्ठ) ने बजरंग पूनिया को सस्पेंड कर दिया है।

नाडा के इस फैसले से बजरंग पूनिया के पेरिस ओलंपिक जाने की उम्मीदों के झटका लग सकता है। नाडा ने लिखा, 'ह्लष्ठक्र2021 के आर्टिकल 7.4 के मुताबिक आपको (बजरंग पूनिया) तत्ककालीन प्रभाव से प्रोवेशनली सस्पेंड किया जाता है। जब तक इस मामले की सुनवाई और फैसला नहीं होता है तब तक आप किसी भी प्रतियोगिता या गतिविधि में हिस्सा नहीं ले सकते हैं। अगर बजरंग पर यह आरोप कायम रहते हैं तो वह ओलंपिक के लिए होने वाले सेलेक्शन ट्रायल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। ट्रायल्स जीतने वाला खिलाड़ी ही पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करेगा।

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2024 का शेड्यूल जारी किया

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2024 का शेड्यूल जारी कर दिया है. इस टूर्नामेंट का आयोजन बांग्लादेश में होगा. भारतीय महिला टीम को ग्रुप ए में रखा गया है. इसमें पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीम भी है. टूर्नामेंट का आगाज 3 अक्टूबर से होगा. पहला मैच इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा. वहीं भारत का पहला मैच न्यूजीलैंड से है. यह मुकाबला 4 अक्टूबर को आयोजित होगा.

भारत और पाकिस्तान के मैच का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है. वीमेंस टी20 वर्ल्डकप 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच 6 अक्टूबर को मैच खेला जाएगा. टीम इंडिया इसके बाद क्वालीफायर 1 की टीम से भिड़ेगी. भारत और ऑस्ट्रेलिया केबीच 13 अक्टूबर को मैच खेला जाएगा. अगर पहले सेमीफाइनल की बात करें तो यह 17 अक्टूबर को और दूसरा सेमीफाइनल 18 अक्टूबर को खेला जाएगा. फाइनल मैच 20 अक्टूबर को आयोजित होगा.

आईसीसी वीमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 में कुल 23 मैच खेले जाएंगे. ये मुकाबले 19 दिनों में ढाका और सिलहट में आयोजित होंगे. टूर्नामेंट के लिए दो ग्रुप बनाए गए हैं. ग्रुप ए में पांच टीमें हैं. ग्रुप बी में भी पांच टीमें हैं. ग्रुप में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और क्वालीफायर 1 की टीम होगी. ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और क्वालीफायर 2 की टीम को रखा गया है. टूर्नामेंट में हर टीम कुल चार ग्रुप मैच खेलेंगी. इसके बाद हर ग्रुप की दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. यह 17 और 18 अक्तूबर को आयोजित होगा. इसके बाद फाइनल मैच खेला जाएगा. बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप में भारत अभी तक एक भी खिताब नहीं जीत पाया है. इसमें सबसे ज्यादा खिताब ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं. ऑस्ट्रेलिया ने 6 बार खिताब जीता है. इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 1-1 बार खिताब जीता है. टी20 वर्ल्ड कप 2016 का आयोजन भारत में ही हुआ था. इसका फाइनल मैच ईडन गार्डन्स में खेला गया था. टीम इंडिया एक बार फाइनल में पहुंची है. उसे 2020 में ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था.

एफएसएसएआई का दावा- मसालों में कीटनाशक को मंजूरी वाली खबरें निराधार

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 10 गुना ज्यादा पेस्टीसाइड को मंजूरी देने वाली खबरों पर सफाई जारी की है। उसने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर ने जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की मंजूरी दी है। एफएसएसएआई ने कहा कि ऐसी खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं। एक प्रेस जारी कर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि भारत में अधिकतम अवशेष सीमा (रूक्ररु) यानी कीटनाशक मिलाने की सीमा दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक है। वहीं कीटनाशकों के एमआरएल उनके खतरे के आकलन के आधार पर खाने की अलग-अलग चीजों के लिए अलग-अलग तय किए जाते है। एफएसएसएआई का कहना है कि भारत में कीटनाशकों को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की तरफ से कीटनाशक अधिनियम, 1968 के तहत बनाई गई केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबी और आरसी) के माध्यम से विनियमित किया जाता है। सीआईबी और आरसी कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, आयात, निर्यात, ट्रांसपोर्ट, स्टोरेज आदि को विनियमित करते हैं।

कोहली के स्ट्राइक रेट वाले बयान पर गावस्कर की खरी-खोटी

बेंगलुरु । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली को खूब खरी खोटी सुनाई है। गावस्कर ने कोहली के स्ट्राइक रेट वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी और उन्हें तथा ब्रॉडकास्टर को आड़े हाथों लिया। आरसीबी ने शनिवार को खेले गए मैच में गुजरात टाइटंस को चार विकेट से हराया। इस मैच के दौरान कमेंट्री करते हुए गावस्कर ने कोहली के बयान पर जवाब दिया।

गावस्कर ने कहा, ये सभी लोग इस बारे में बात करते हैं कि हमें बाहरी शोर की परवाह नहीं है। अगर ऐसा है तो फिर आप बाहरी शोर का जवाब क्यों दे रहे हो। भले ही ज्यादा नहीं, लेकिन हमने भी थोड़ी बहुत क्रिकेट खेली है। हमारे पास कोई एजेंडा नहीं है। हम जो देखते हैं उसके बारे में बात करते हैं। हमें किसी की पसंद नापसंद के बारे में परवाह नहीं है। हम जो हो रहा है बस उस पर अपनी राय रखते हैं। उन्होंने कहा, कमेंटेटर उस वक्त सवाल उठाते हैं जब स्ट्राइक रेट 118 का होता है। मैं ज्यादा यकीन से नहीं कह सकता क्योंकि मैं ज्यादा मैच नहीं देखता इसलिए मुझे नहीं पता अन्य कमेंटेटर क्या कहते हैं। लेकिन अगर आप 118 की स्ट्राइक रेट से खेलकर आउट होते हैं और चाहते हैं कि इसके लिए आपकी सराहना की जाए तो यह अलग ही मामला है। कोहली ने गुजरात के खिलाफ 28 अप्रैल को खेले गए मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 70 रन बनाए थे। इस दौरान कोहली ने 159.09 के स्ट्राइक रेट से छह चौके और तीन छक्के लगाए थे। मैच के बाद उन्होंने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा था, लोग मेरे खेलने के तरीके और स्पिनर्स के खिलाफ संघर्ष करने की बात कह रहे थे,

ज्योतिष चमत्कार (6 मई 2024)

कल्याण				
सोम	6	7	8	9
	62	76	82	90
मंगल	7	8	9	0
	78	84	98	02
बुध	8	9	0	1
	86	96	04	10
गुरू	9	0	1	2
	92	06	18	24
शुक्र	0	1	2	3
	08	14	26	34
शनि	1	2	3	4
	12	28	36	48
अंकों का बादशाह	0			
सप्ताह का वरदान	9			
सप्ताह में अचूक	2	3	4	8
स्पेशल	21	35	46	87

राजधानी नाईट				
सोम	1	2	3	4
	19	25	31	47
मंगल	2	3	4	5
	23	35	45	51
बुध	3	4	5	6
	37	43	53	69
गुरू	4	5	6	7
	41	57	67	71
शुक्र	5	6	7	8
	59	65	73	87
अंकों का बादशाह	1			
सप्ताह का वरदान	2			
सप्ताह में अचूक	3	7	8	9
स्पेशल	34	75	86	90

सप्ताह में देखें (कल्याण)

1	13	15	17	19
2	21	23	25	29
3	31	35	37	39
4	41	43	45	47
5	51	53	57	59
6	63	65	67	69
7	71	73	75	´79
8	81	85	87	89
9	91	93	95	97
0	01	03	07	09

सप्ताह में देखें (राजधानी नाईट)

1	12	14	18	10
2	24	26	28	20
3	32	34	36	30
4	42	46	48	40
5	52	54	56	58
6	62	64	68	60
7	74	76	78	´70
8	82	84	86	80
9	92	96	98	90
0	02	04	06	08

अंक आपके पत्ते हमारे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
128	138	148	149	140	123	160	134	234	127
245	129	238	130	230	150	250	233	379	136
489	237	490	239	357	259	278	279	225	280
290	570	670	680	456	349	458	260	270	479
344	228	355	789	339	790	449	125	126	677

बीते चार सप्ताह के रिकार्ड

कल्याण					
44	32	88	83	64	67
46	97	52	81	02	04
03	49	42	78	67	02
33	92	58	60	08	24

राजधानी				
43	41	54	02	63
16	40	32	80	13
28	18	29	48	05
21	49	14	56	52

2023 के रुके जोड़ भाव

कल्याण 2023- -21-23-09

राजधानी नाईट 2023 -35-50-62-66-

चेतावनी :- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरुपयोग न करें। दुरुपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

प्रथम पेज का शेष

पुंछ आतंकी हमले में सुरक्षाबलों ...

वहीं, शाहसितार, गुरसाई, सनाई और शींदरा टॉप समेत कई इलाकों में तलाशी अभियान जारी है। हमले के बाद आतंकवादी जंगल में भाग गए हैं, लेकिन अभी तक उनका पता नहीं चल पाया है।

कांग्रेस ने पीएम मोदी और अमित...

साथ रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबधित किया। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी और शाह से 10 सवालों के जवाब की मांग की है। सुरजेवाला ने यह भी दावा किया कि पीएम मोदी को 'मामले की जानकारी थी' लेकिन फिर भी उन्होंने जद (एस) के साथ गठबंधन किया। एक सामूहिक दुष्कर्मी को बचा रही भाजपा-सुरजेवाला ने रविवार को बेलगावी में संवाददाताओं से कहा, दिसंबर 2023 में एक भाजपा नेता ने सभी सबूतों के साथ पीएम मोदी और अमित शाह से संपर्क किया। इस मामले में हमारा संदेश स्पष्ट और सरल है। नरेंद्र मोदी जी और जद (एस) नेता एक सामूहिक दुष्कर्मी को बचा रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री को पता था कि उनकी पार्टी का उम्मीदवार और एक सहयोगी हजारों महिलाओं का सिलसिलेवार दुराचारी है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को आरक्षण ...

सालाना के स्टाइपंड पर नौकरी दी जाएगी। इस दौरान जिनका प्रदर्शन अच्छा रहेगा उन्हें विभाम में स्थाई नौकरी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह दुनिया में अपनी तरह की पहली योजना होगी, जिससे भारत में दुनिया के लिए सबसे बेहतरीन प्रशिक्षित कार्यबल तैयार होगा। सत्ता में आने पर जाति जनगणना का वादा दोहराते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में दलितों, जनजातीय लोगों, अल्पसंख्यकों और समान्य श्रेणी के गरीबों की आबादी 90 प्रतिशत है, लेकिन नौकरियों में उनकी संख्या काफी कम है। जाति जनगणना से पता चलेगा कि उनकी आबादी कितनी है। जमीन पर आदिवासियों के पहले हक की बात करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार उनकी समस्याओं का हल करेगी। उनके अधिकारों का संरक्षण किया जायेगा। भाजपा पर घृणा फैलाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वे भाई से भाई को लड़वाते हैं, जहां जाते हैं, घृणा फैलाते हैं। हमने प्यार बांटा है और सम्मान दिया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस ने पहली बार आदिलाबाद से एक महिला को टिकट दिया है। उन्होंने लोगों से अथरम सुगुना को वोट देने की अपील की।

भाजपा ने गौमांस बेचने वाली कंपनी से...

राज में गौ माता दाना पानी के लिए तरस गई है। दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि उनके शासन में कई गौशलााएं खोली गई थी। गौ माता के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गई। लेकिन आज भाजपा शासन में गौमाता सड़कों पर मारी-मारी घूम रही हैं। जीवन का आखिरी चुनाव लड़ रहे दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा सांसद रेाडमल नागर ने क्षेत्र में कुछ नहीं दिया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि जनता के समर्थन के कारण भारतवर्ष ने मुझे पहचान मिली है।

पेरिस में गेम्स विलेज में नहीं होटल में ठहरेंगे गोल्फर, थकान से बचाने के लिए उठाया गया कदम

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूकने वाली गोल्फर अदिति अशोक के 40 किलोमीटर के थकावट भरे सफर को ध्यान में रख इस बार पेरिस में गोल्फरों को कोर्स के नजदीक ठहराया जा रहा है। भारतीय गोल्फर गेम्स विलेज में नहीं बल्कि कोर्स के नजदीक होटल में ठहराए जाएंगे।

होटल से कोर्स की दूरी आठ से 10 की मिनट की है। टोक्यों में अदिति को गेम्स विलेज से कोर्स पहुंचने में डेढ़ घंटा लगता था। उन्हें कोर्स जाने के लिए तड़के तीन-साढ़े तीन बजे उठना पड़ता था। तब वह सात बजे शुरू होने वाले मुकाबले में पहुंच पाती थीं। इस बार भी पेरिस में कोर्स गेम्स विलेज से 40 किलोमीटर दूर है। अदिति अशोक और दीक्षा डागर का पेरिस में खेलना तय है, जबकि शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर क्वालिफाई करने की दौड़ में हैं। भारतीय गोल्फ यूनियन के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह के अनुसार टोक्यो के अनुभव को ध्यान में रखते हुए गोल्फर होटल में ठहराए जा रहे हैं।

रियल मैड्रिड ने जीता रिकॉर्ड 36वां ला लीगा खिताब, केडिज को 3-0 से हराया

रियल मैड्रिड ने यहां चार मैच शेष रहते स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा का खिताब जीत लिया। मैड्रिड ने अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमाने के बावजूद केडिज को 3-0 से हराया। बार्सिलोना की टीम इसके बाद गिरोना के खिलाफ 2-4 से हार गई जिससे मैड्रिड ने खिताब सुनिश्चित किया। मैड्रिड ने अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 36वीं बार ला लीगा का खिताब अपने नाम किया। गिरोना की टीम इस जीत से बार्सिलोना को पछाड़कर 34 मैच में 74 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई। बार्सिलोना 73 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। मैड्रिड के 34 मैच में गिरोना से 13 अंक ज्यादा 87 अंक हैं। गिरोना अब अधिकतम 12 अंक ही जुटा सकती है जिससे मैड्रिड का खिताब तय हो गया है।

भारत के ये खूबसूरत गांव आपका मन मोह लेंगे

अगर आप घूमने के शौकीन हैं तो आपको नए स्थानों की यात्रा करनी चाहिए. शहर के आस-पास के गांवों को भी घूमना चाहिए. इन स्थानों को एक बार देखने के बाद आपको वहां बसने का मन करेगा.

भारत के सुंदर गांव

भारत में घूमने के लिए कई स्थान होते हैं. अधिकांश लोग केवल गोवा, शिमला, मनाली में ही घूमना पसंद करते हैं, लेकिन अगर आप घूमने के शौकीन हैं तो आपको नए स्थानों की यात्रा करनी चाहिए. ऐसे में हर बार किसी शहर को देखने के लिए ही नहीं जाना है, बल्कि शहर के आस-पास के गांवों को भी घूमना चाहिए. यहां हम आपको उन सुंदर गांवों के बारे में बता रहे हैं, जहां आपको एक बार जरूर जाना चाहिए. इन स्थानों को एक बार देखने के बाद आपको वहां बसने का मन करेगा.

माणा गांव

भारत के गांवों की बात करें तो माणा गांव का नाम मन में आता है. यह भारत और तिब्बत-चीन सीमा के किनारे स्थित अंतिम गांव है. बद्रीनाथ के निकट स्थित माना गांव सर्वश्रेष्ठ पर्यटक आकर्षणों में से एक है. यह गांव हिमालयी पहाड़ों से घिरा हुआ है. यहां की ऊंची पहाड़ियों और शुद्ध वातावरण आपको प्रभावित करेगी. आपको एक बार ये गांव जाना चाहिए.

खिमसर गांव

राजस्थान के थार मरुस्थल के किनारे स्थित इस गांव के बीच में एक झील है. इस गांव के आस-पास केवल रेत है जो इसे सुंदर और शांत बनाती है. हर साल जनवरी से फरवरी के महीने में यहां नागौर महोत्सव आयोजित किया जाता है. पर्यटक दूर-दूर से इसे देखने आते हैं.

कुट्टनाद गांव

कुट्टनाड गांव आलप्पुजा जिले के बैकवॉटर्स के बीच स्थित है. धान की बड़ी फसल के कारण इस स्थान को %राइस बाउल% का नाम भी दिया जाता है. माना जाता है कि यह एकमात्र स्थान है जहां खेती समुंदर के स्तर से 2 मीटर के नीचे की जाती है.

दर्चिक गांव

यह गांव लद्दाख के कारगिल जिले के कारगिल तहसील में स्थित है. यह कारगिल तहसील के 66 आधिकारिक गांवों में से एक है. यहां की सुंदर पहाड़ियां, ताजगी भरी हवा और नजारे आपको खुश कर देंगे. दर्चिक तक पहुंचने के लिए लेह शहर के पश्चिम की ओर ड्राइव किया जा सकता है और आर्यन वैली के गांवों तक पहुंच सकते हैं.

मलाणा

हिमाचल प्रदेश का मलाणा भारत के सबसे सुंदर गांवों में शामिल है. इस गांव में कई जनजातियां रहती हैं. प्राकृतिक सौंदर्य के प्रेमियों को यह स्थान निश्चित रूप से पसंद आएगा. यहां ट्रैकिंग के लिए भी बड़ी संख्या में ट्रैकर्स आते हैं.

हिमाचल की इस जगह पर पहुंचे सबसे ज्यादा पर्यटक, बनी लोगों की फेवरेट डेस्टिनेशन

उत्तर भारत में इन दिनों गर्मी बहुत बढ़ गई है. इस गर्मी से बचने के लिए लोग ठंडी जगहों की ओर जा रहे हैं. ऐसे में शिमला, जो हिमाचल प्रदेश में है, वहां पिछले हफ्ते के अंत में बहुत सारे लोग पहुंचे. शिमला में लोगों की भारी भीड़ देखी गई. यहां लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है.

शिमला एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जहां की जलवायु ठंडी और सुखद है. यहां की हवा ताजा है और नजारे बहुत ही सुंदर हैं. यहां आकर लोग गर्मी से राहत महसूस करते हैं और आरामदायक छुट्टी का मजा लेते हैं. इस साल शिमला के पर्यटन उद्योग में बहुत जोश है. भारत और विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, जिससे होटल और दुकानों का कारोबार अच्छा चल रहा है. पर्यटकों की बढ़ती संख्या यह बता रही है कि आगे भी और अधिक लोग शिमला आएंगे. यह बात शिमला के व्यापारियों और होटल मालिकों के लिए खुशी की बात है.

जानें क्या कहते हैं आंकड़े

हिमाचल प्रदेश के आंकड़े बताते हैं कि 2019 में यहां 17 लाख 20 हजार लोग आए थे, जिनमें 4 लाख विदेशी पर्यटक थे. इसमें पिछले साल से 5 प्रतिशत ज्यादा बढ़ोतरी हुई थी. पिछले दो साल में महामारी के कारण शिमला में कम लोग आए थे. लेकिन अब फिर से लोग शिमला आने लगे हैं. हालांकि, हाल की बारिश और बाढ़ ने थोड़ी मुश्किलें पैदा की हैं.

हिमाचल प्रदेश की पर्यटन उद्योग राज्य की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देती है।इससे राज्य को 11,000 करोड़ रुपये की आमदनी होती है, जो राज्य की कुल जीडीपी का लगभग 7.3 प्रतिशत है.

जानें क्यों जाते हैं लोग शिमला

शिमला को पहाड़ों की रानी कहा जाता है. यहां की हरियाली और सुंदर पहाड़ी दृश्य बहुत खूबसूरत हैं. यहां का मौसम भी बहुत अच्छा रहता है, गर्मियों में ठंडा और सर्दियों में बर्फबारी होती है. शिमला में घूमने के लिए बहुत कुछ है जैसे कि रिज, मॉल रोड और वाइसरीगल लॉज. यहां ट्रेकिंग, पैराग्लाइडिंग और स्कीइंग जैसी एक्टिविटीज भी की जा सकती हैं. शिमला में हर किसी के लिए कुछ न कुछ खास होता है.

गर्मी में जाए परिवार संग इस खूबसूरत जगह जाने का प्लान, बेशुमार है खूबसूरती

हिमाचल और उत्तराखंड के अलावा जम्मू और कश्मीर को भी गर्मियों में घूमने के स्थानों में शामिल किया जा सकता है.यहां कई ऐसे स्थान हैं जो आपके पल को यादगार बना देंगे. यदि आपने यहां सोनमर्ग, गुलमर्ग, पहलगाम आदि को कवर किया है या इसके अलावा कुछ शांत स्थान जाना चाहते हैं, तो श्रीनगर के पास स्थित कोकरनाग का प्लान बना सकते हैं.

कोकरनाग शहर से संबंधित कई पौराणिक कथाएं हैं. कोकरनाग झरने श्रीनगर से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है.

कोकरनाग जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में स्थित है. जहां आप अपने वीकेंड को खास बना सकते हैं.

कोकरनाग एक अनोखा स्थान है, जिसके कारण इसकी सुंदरता आज भी बरकरार रहती है.

यहां की शांत और प्रदूषण मुक्त वातावरण इस स्थान को और खास बनाते हैं.

कोकरनाग आकर आप फोटोग्राफी का आनंद भी लें सकते हैं.

कोकरनाग के रोज गार्डन को यहां का प्रमुख केंद्र आकर्षण माना जाता है, जिसे आपको बिल्कुल भी छोड़ना नहीं चाहिए.

गर्मियों में करें चंबा की सैर

चंबा, हिमाचल प्रदेश में, ऐसी एक खूबसूरत जगह है जो गर्मियों में घूमने के लिए बिलकुल परफेक्ट है. आइए जानते हैं चंबा में क्या-क्या घूम सकते हैं..

चंबा घूमने का समय

गर्मी के मौसम में, अगर आप शहर की गर्मी से बचना चाहते हैं, तो चंबा घूमने जाना बहुत अच्छा ऑप्शन है. चंबा हिमाचल प्रदेश में है और यहां की हरियाली, पहाड़ और साफ नदियां देखने लायक होती हैं. गर्मियों में यहां का मौसम बहुत सुहावना होता है.

चंबा की प्राकृतिक सुंदरता

देखते ही बनती है. यहां की हरी-भरी वादियां, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, और चमचमाती नदियां मन को मोह लेती हैं. चंबा में हर जगह हरियाली दिखाई देती है और आसमान से बातें करते पहाड़ आपको नजर आएंगे. यहां के जंगल घने हैं और इनमें विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे और जीव-जंतु पाए जाते हैं. गर्मियों में, जब सूरज की किरणें इन हरी-भरी चोटियों पर पड़ती हैं, तो पूरा दृश्य जैसे जादुई हो जाता है.

पुराने मंदिरों का करे दर्शन

गर्मियों में चंबा जाना वाकई खास होता है. यहां की खूबसूरती देखकर आप खुशी से भर उठेंगे. चंबा के बाजार में घूमना, वहां की चीजें देखना और खरीदना बहुत मजेदार होता है. यहां के पुराने मंदिर भी बहुत सुंदर हैं. इन मंदिरों में देवी-देवताओं की पूजा की जाती है और ये मंदिर कला के अद्भुत नमूने हैं.चंबा में घूमते हुए आपको यहां की कहानियां और इतिहास भी पता चलेगा. चामुंडा देवी मंदिर और भूरी सिंह म्यूजियम जैसी जगहें यहां की संस्कृति दिखाती हैं. यहां के हाथ से बने सामान भी देखने लायक होते हैं.

रावी नदी का अद्भूत नजारा

चंबा की रावी नदी के किनारे बैठकर आराम करना और नदी की शीतल हवा महसूस करना एक सुकून भरा अनुभव होता है. यहां की हरी-भरी पहाड़ियों पर खिले हुए फूल और ठंडी हवा आपको ताजगी से भर देते हैं. ये दृश्य इतने सुंदर होते हैं कि हर कोई इनकी तस्वीरें खींचना चाहता है.

फोटो खिंचवाने का अद्भूत नजारें

चंबा, हिमाचल प्रदेश में एक सुंदर जगह है, जहां आप खूबसूरत फोटो खिंचवा सकते हैं. यहां के पहाड़, बागान और पुराने मंदिर फोटो के लिए बहुत अच्छे रहते हैं. आप यहां पर अपने खास पलों की तस्वीरें ले सकते हैं, जो देखने में बहुत सुंदर आएंगी. चंबा का माहौल आपके फोटोग्राफी के शौक को और भी मजेदार बना देगा. यह जगह फोटो खिचवाने के लिए बहुत ही अच्छी है.

एक साथ करना है 5 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन, महाराष्ट्र जाने का झट से बना लीजिए प्लान

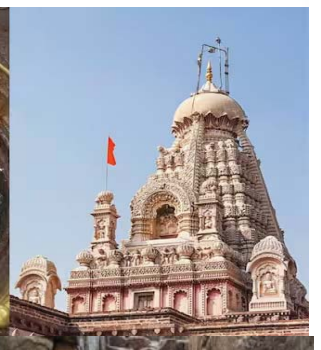

भारत में 12 प्रमुख ज्योतिर्लिंग मंदिर हैं, जिनमें से पांच महाराष्ट्र में हैं. आज हम महाराष्ट्र के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों के बारे में बता रहे हैं. जहां आप आसानी से दर्शन कर सकते हैं.

महाराष्ट्र में ज्योतिर्लिंग

सोमवार महादेव के भक्तों के लिए सबसे बड़ा दिन है. अधिकांश लोग भगवान शिव के विभिन्न मंदिरों की यात्रा करते हैं. भारत में 12 प्रमुख ज्योतिर्लिंग मंदिर हैं, जिनमें से पांच महाराष्ट्र में हैं. आज हम महाराष्ट्र के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों के बारे में बता रहे हैं.जहां आप आसानी से दर्शन कर सकते हैं. आइए जानते हैं विस्तार से.

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग पुणे से 100 किलोमीटर की दूरी पर है और भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है. यह मंदिर सह्याद्रि पर्वत में लगभग 3,250 फीट की ऊंचाई पर है. यहां भीमाशंकर वन्यजीव अभयारण्य सहित ट्रेकर्स के लिए एक अच्छा स्थान है. भीमाशंकर मंदिर का खुलने का समय सुबह 4:30 बजे है और बंद होने का समय रात को 9.30 बजे है.

त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग

त्र्यंबकेश्वर मंदिर में तीन देवताओं ब्रह्मा, विष्णु और महेश की छोटी-छोटी लिंगों में पूजा की जाती है. नासिक से लगभग 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह मंदिर त्र्यंबक पर्वत पर है. त्र्यंबकेश्वर मंदिर का खुलने का समय सुबह 5.30 बजे है और बंद होने का समय रात को 9:00 बजे है.

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर

घृष्णेश्वर मंदिर महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित है, जो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है. मंदिर को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल माना जाता है. घृष्णेश्वर मंदिर के गर्भगृह के अंदर में पुरुषों को अपने ऊपरी कपड़े निकालने की आवश्यकता होती है. यह एकमात्र ज्योतिर्लिंग है जहां भक्त अपने हाथों से शिवलिंग को छू सकते हैं. घृष्णेश्वर मंदिर खुलने का समय सुबह 5:30 बजे है, जबकि बंद होने का समय रात को 9:30 बजे है.

औंधा नागनाथ ज्योतिर्लिंग

औंधा नागनाथ ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में है. जहां भगवान नागनाथ की पूजा की जाती है. यह मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है. कहा जाता है कि इस मंदिर में प्रार्थना करके, भक्त प्रत्येक प्रकार के विष से अपने को संरक्षित कर सकते हैं.औंधा नागनाथ मंदिर का खुलने का समय सुबह 4:00 बजे है बंद होने का समय रात को 9:00 बजे है.

परली वैजनाथ

परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग पार्ली, महाराष्ट्र में है. यह मंदिर विशेष रूप से भगवान शिव के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल माना जाता है. कहा जाता है कि इस स्थान पर रावण ने भगवान शिव की पूजा की थी. पार्ली वैजनाथ मंदिर का खुलने का समय सुबह 5:00 बजे है और बंद होने का समय रात को 9:00 बजे है.

मनोज सोनी ने राइस मिलरों से 60 रुपये प्रति क्विंटल वसूला कमीशन, साठगांठ कर 100 करोड़ के चांवल घोटाले को दिया अंजाम

रायपुर। मार्कफेड और नान के एमडी रहे मनोज सोनी की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने एक बयान जारी किया है। जारी बयान के मुताबिक मनोज सोनी सरकार में प्रतिनियुक्ति पर थे और अक्टूबर, 2022 से अक्टूबर, 2023 तक राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) के प्रबंध निदेशक के रूप में तैनात थे।

अपने पद पर रहते हुए मनोज सोनी ने राइस मिलरों को कस्टम मिलिंग के लिए डीओ जारी करने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए बड़े पैमाने पर राइस मिल एसोसिएशन के साथ साठगांठ कर चावल घोटाले को अंजाम दिया है। मार्कफेड के एमडी के कार्यकाल में मनोज सोनी ने राइस मिलरों से अवैध वसूली करने एक संगठित प्रणाली विकसित की थी। ईडी ने आइटी के इन्वेस्टिगेशन विंग द्वारा दायर अभियोजन शिकायत के खुलासे के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि छत्तीसगढ़ राईस मिल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ राज्य विपणन संघ लिमिटेड (मार्कफेड) के अधिकारियों के साथ मिलीभगत की और दुरुपयोग की साजिश रची। विशेष प्रोत्साहन और करोड़ों रुपये की रिश्वत अर्जित की। बयान में सोनी की वसूली की पूरी प्रणाली को बताया गया है।

दर बढ़ाने के बाद कमीशन का खेल

खरीफ वर्ष 2021-22 में कस्टम मिलिंग करने पर राइस मिलरों को 40 रुपये प्रति क्विंटल राज्य सरकार भुगतान करती थी। इसके बाद कस्टम मिलिंग की राशि तीन गुना 120 रुपये कर दिया गया। ईडी ने जांच में पाया कि कस्टम मिलिंग की दर बढ़ाए जाने के बाद मनोज सोनी ने राइस मिल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ मिलकर कस्टम मिलिंग के लिए डीओ जारी कराने नकद में कमीशन लिया गया।

आरोप है कि कस्टम मिलिंग की दर जब 40 रुपये थी, तब मनोज सोनी राइस मिलर एसोसिएशन के साथ मिलकर नकद में 20 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन लेता था। नकद राशि का भुगतान करने वाले चावल मिलर का विवरण जिला राइस मिलर्स एसोसिएशन द्वारा संबंधित जिला विपणन अधिकारी (डीएमओ) को भेजा गया था। मिलर के बिल प्राप्त होने पर डीएमओ ने संबंधित जिला राइस मिलर्स एसोसिएशन से प्राप्त विवरण की जांच की।

फिर यह जानकारी मार्कफेड के मुख्य कार्यालय को दी गई। मार्कफेड एमडी ने केवल उन्हीं राइस मिलर के बिलों के भुगतान की मंजूरी दी, जिन्होंने एसोसिएशन को नकद राशि दी थी। दर बढ़ने के बाद कस्टम मिलिंग में प्रति क्विंटल 60 रुपये कमीशन लिया गया। इस तरह से मनोज सोनी ने राइस मिल एसो. के पदाधिकारियों के साथ मिलकर सौ करोड़ रुपये वसूल किए।

जून से बिजली का नया टैरिफ होगा लागू, लग सकता है उपभोक्ताओं को झटका

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली का नया टैरिफ इस बार तय समय एक अप्रैल से लागू नहीं हो पाया। लोकसभा चुनाव के कारण चुनाव के नतीजे आने के बाद जून में नया टैरिफ जारी होगा। इसकी तैयारी बिजली कंपनी में चल रही है।

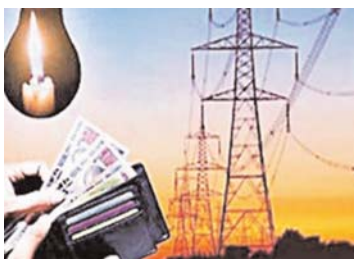

अधिकारियों ने बताया कि इसके पहले भी वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव के कारण जून और 2021 में अगस्त में नया टैरिफ जारी हुआ था। नए टैरिफ के लिए मार्च में जनसुनवाई हो चुकी है। अब सारी प्रक्रिया पूरी करने का काम नियामक आयोग में चल रहा है। प्रदेश के करीब 50 लाख घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की बात यह है कि उनको नए सत्र में महंगी बिजली का झटका नहीं लगेगा, बाकी के उपभोक्ता वर्ग के लिए बिजली की दर बढ़नी तय मानी जा रही है।

आयोग तय करेगा नया टैरिफ

बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, वितरण कंपनी के साथ ही उत्पादन और ट्रांसमिशन कंपनी का भी पूरा लेखा-जोखा देखने के बाद ही आयोग तय करेगा कि कंपनी को वास्तव में खर्च के लिए कितने राजस्व की जरूरत है और बिजली बेचने से कितना राजस्व मिलेगा। साथ ही, पुराना घाटा कम करने के बाद उसकी पूर्ति के लिए कितने अतिरिक्त राजस्व की जरूरत पड़ेगी।

इसमें आयोग अंतर की राशि की पूर्ति के लिए तय करेगा किस वर्ग के टैरिफ में कितना इजाफा किया जाए। आयोग पुराने घाटे को एक के स्थान पर इससे ज्यादा बार में भी पूरा करने का फैसला कर सकता है। ऐसा होने से टैरिफ में कम इजाफा होगा।

लग सकता है उपभोक्ताओं को झटका

पावर कंपनी ने बिजली नियामक आयोग को भेजे गए लेखा-जोखा में नए सत्र में 3,600 करोड़ के फायदे का उल्लेख किया है। लेकिन पुराना घाटा 7,775 करोड़ की भरपाई के लिए घरेलू को छोड़ बाकी वर्ग का टैरिफ बढ़ाया जाएगा।

इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर की एक फोटो ने ले ली उसकी जान, हमलावरों ने गोलियों से भूना

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम की एक इन्फ्लुएंसर को अपनी फोटो साझा करना इतना भारी पड़ गया कि उसकी जान ही चली गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, इक्वाडोर की इन्फ्लुएंसर लैंडी पर्रागा गोयब्यूरो की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। 23 वर्षीय लैंडी इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती थीं। दरअसल, इंस्टाग्राम पर लैंडी ने जब एक पोस्ट की तो हमलावरों को उसकी लोकेशन पता चल गई और उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। अपनी मौत से ठीक पहले, गोयब्यूरो ने एक रेस्तरां में लंच करते हुए अपनी तस्वीर पोस्ट की थी, जहां उसे दो हथियारबंद लोगों ने निशाना बनाया।

हनुमान दौड़ प्रतियोगिता: पुरुष वर्ग में आशुतोष कुमार तो महिला वर्ग में भगवती ने मारी बाजी

क्रीड़ा भारती के आयोजन में 560 धावकों ने लिया हिस्सा

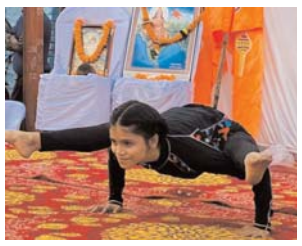

राजनांदगांव (दावा)। क्रीड़ा भारती जिला राजनांदगांव द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर हनुमान दौड प्रतियोगिता गया आयोजन किया जिसमें पुरुष एवं महिला वर्गों में कुल मिलाकर 560 धावकों ने भाग लिया। जिसमें पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर आशुतोष कुमार, द्वितीय ईश्वर सिन्हा, तृतीय रामनारायण रहे। वही महिला वर्ग में प्रथम स्थान कु. भगवती, द्वितीय प्रियंका साहू, तृतीय रुक्मणी साहू रही। सभी विजेताओं को नगद पुरस्कार, ट्रॉफी, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा समस्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

ज्ञात हो कि प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 10,000 रूपए, द्वितीय 7000 रूपए, तृतीय 5,000 रुपए दिया गया। क्रीडा भारती के कार्यक्रम कराने का मुख्य उद्देश्य खेलों का प्रचार-प्रसार एवं स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना है, जिससे देश स्वस्थ रहें एवं समाज में बेहतर योगदान दे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप मे क्रीड़ा भारती के प्रांत अध्यक्ष संजय शर्मा, आरएसएस के विभाग प्रचारक तुलसी दास मानिकपुरी, प्रांत मंत्री सुमित उपाध्याय, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी एकता बंजारे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बाडीटेक जिम द्वारा वार्म अप एवं जुम्बा कराया गया एवं योग प्रदर्शन दीक्षा ताम्रकार द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती के जिला अध्यक्ष धीरज कन्नौजे, शिवम् यादव, प्रिंस भाटिया, रजत खुटेल, दुर्गेश यादव, शुभम देवोगन, प्रज्जवल गुप्ता, आशीष भिन्टा, तामेश्वर बंजारे, जनकीशरण कुशवाहा उपस्थित रहे। यह जानकारी क्रीड़ा भारती के मीडिया प्रभारी शुभम देवांगन ने दी।

लड़की ने भाई को कुल्हाड़ी से काट डालाः फोन पर लड़कों से बात करने से रोकता था

राजनांदगांव (दावा)। खैरागढ़ ब्लाक के ग्राम अमलीडीह कला में एक भाई का अपनी बहन को किसी के भी साथ मोबाइल में बात करने के लिए के लिए टोकना उसकी हत्या की वजह बन गया।

पुलिस के अनुसार मृतक देवी प्रसाद वर्मा ने अपनी छोटी बहन की मोबाइल पर बात करने से मना किया तो वह इतनी आग बबूला हो गई और बिस्तर में सो रहे अपने भाई पर कुल्हाड़ी से ताबड़-तोड़ वार कर उसे मौत की घाट उतार दिया।

नाबालिग ने पुलिस को किया गुमराह

हत्या कर नहाने गई बहन

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह दोनों भाई बहन के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद मृतक देव प्रसाद वर्मा अपने कमरे में सोने चला गया। इसके बाद उसकी बहन टंगिया लेकर पहुंची और सोते हुए हालात में अपने भाई के गले पर ताबड़ तोड़ वार कर दिया। इससे देवप्रसाद को संभलने का मौका ही नहीं मिला और उसने मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हत्या करने के बाद उसकी बहन कुल्हाड़ी को वही छोड़ कर नहाने के लिए तालाब चली गई।

वहां वह कपड़ों में लगे खून के दाग को तालाब में धोकर घर वापिस आ गई। पुलिस को इस पर शक होने से उससे कड़ी पूछताछ की जा रही थी किन्तु वह पुलिस को लगातार गुमराह कर रही थी। इसके बाद मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ किए जाने उपरांत वह टूट गई। और उन्होंने अपने भाई की हत्या किया जाना स्वीकार किया। पुलिस ने नाबालिग उक्त आरोपिता को बाल-सुधार गृह भेज दिया गया है। बेटी की इस हरकत से माता-पिता का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्राम अमलीडीह कला में गमगीन माहौल में शनिवार को मृतक का अंतिम संस्कार किया गया।

नीट की परीक्षा में बड़ी संख्या में भाग लिए विद्यार्थी

राजनांदगांव (दावा)। जिले में 5 मई रविवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश मेडिकल परीक्षा (नीट) आयोजित रही। जिले में इसके लिए 6 स्कूलों को सेंटर बनाए गए थे। जहां पर भीषण गर्मी के बावजूद लगभग दो हजार से अधिक विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा दिए जाने की बात सामने आ रही है।

परीक्षा केंद्रों में सीसी टीवी कैमरे से लेकर सुरक्षा के प्रबंध किए गए थे। इन सेंटरों में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की भीड़ भाड़ नजर आई। बड़ी संख्या में युवक युवतियां परीक्षा में भाग लिए। नीट की परीक्षा शहर के युगांतर पब्लिक स्कूल से लेकर वाईडनर स्कूल, वेसलिन स्कूल, एनबीआईएस बोरी स्कूल, डीपीएस तथा एनपीएस स्कूल को सेंटर बनाया गया। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा युगांतर को नीट एक्जाम का परीक्षा केंद्र बनाया गया था जिसमें लगभग 263 विद्यार्थियों के शामिल होने की जानकारी मिल रही है। उक्त परीक्षा में विद्यार्थियों को किसी प्रकार दिक्कत न हो इसका पूरा ध्यान रखा गया। भीषण गर्मी के दिनों में हुई नीट परीक्षा के लिए सेंटरों में आवश्यक सुविधाएं एवं सुरक्षा के बंदोबस्त किए गए थे।

जेपी नड्डा की सभा में जा रही बस पलटी, चार की हालत गंभीर

अंबिकापुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की सभा में शामिल होने सरगुजा से सूरजपुर जा रही बस मार्ग में ग्राम भेढ़िया के पास अनियंत्रित हो कर पलट गई। इस घटना में 15 लोग घायल हो गए, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र धौरपुर में भर्ती कराया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की सभा में शामिल होने बस धौरपुर थाना के ग्राम सपड़ा के सरईपानी से पहाड़ी कोरवाओ को लेकर सूरजपुर जा रही थी। बस में पहाड़ी कोरवा परिवार से लगभग 30 लोग सवार थे। बस ग्राम भेड़िया के पास अचानक अनियंत्रित हो कर पलट गई। इसमें 15 व्यक्ति घायल हुए, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाकर भर्ती किया गया।

फरहद चौक में चौकसी के दौरान संदिग्ध वाहन से 11 लाख 80 हजार जब्त

राजनांदगांव (दावा)। लोकसभा क्षेत्र में गत 26 अप्रेल को सम्पन्न हुए मतदान के बाद कल 7 मई को दुर्ग जिले सहित रायपुर-बिलासपुर जिले में मतदान किया जाना है। इसके मद्देनजर पुलिस द्वारा जिले में धड़ल्ले से चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

उक्त अभियान के दौरान पुलिस द्वारा फरहद चौक में एक वाहन के चेकिंग के दौरान वाहन में रखे 11 लाख 80 हजार रुपए की जब्ती की गई है। बता दें कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत आदर्श आचार संहिता लागू है जिसके मददेनजर रविवार 5 मई को फरहद चौक में यातायात पुलिस के साथ थाना लालबाग पुलिस की नाकेबंदी लगाई गई थी तथा आने- जाने वाले वाहनों को चेक किया जा रहा था।

इस दौरान तेलंगाना स्टेट पासिंग वाहन दिखे जाने पर उसकी बारीकी से तलाशी ली गई। इस पर वाहन क्रमांक टीएस-03/यूसी 5330 में 11 लाख 80 हजार रूपये नगद कैश होना पाया गया। जिसके संबंध में दस्तावेज मांगे जाने पर किसी प्रकार का दस्तावेज मौजूद नहीं होना बताया गया। इस पर उक्त कैश की जप्ती कर इसकी सूचना आयकर विभाग राजनांदगांव को दिया गया। इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में सेंट्रल जीएसटी टीम की बड़ी कार्रवाई, फर्जी बिलिंग कर 71 करोड़ की टैक्स चोरी करने वाले शातिर को पकड़ा

रायपुर। अलग-अलग छह फर्मों के जरिए 71.38 करोड़ का आइटीसी लाभ लेने वाला आरोपित सर्वेश कुमार पांडेय को जीएसटी टीम ने पकड़ा। जीएसटी अधिकारियों ने सीजीएसटी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर शनिवार को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

मालूम हो कि जीएसटी टीम ने पिछले महीने 13 फर्जी फर्मों के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था, उसमें गिरफ्तार किए गए आरोपित हेमंत कसेरा से मिले इनपुट के आधार पर ही यह कार्रवाई हुई। सीजीएसटी आयुक्त मोहम्मद अबू सामा ने बताया कि आरोपित हेमंत कसेरा द्वारा संचालित फर्मों के द्वारा बड़ी मात्रा में रायपुर स्थित त्रिवेणी मेटालिकइंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और त्रिवेणी एंटरप्राइजेस को दी गई थी। जांच के दौरान पता चला कि इन दो फर्मों के साथ ही चार अन्य फर्मों को भी आरोपित सर्वेश कुमार पांडेय द्वारा प्रबंधित और नियंत्रित किया जाता है।

जीएसटी अधिकारियों की टीम द्वारा जांच में पता चला कि आरोपित ने 71.38 करोड़ का फर्जी आइटीसी लिया है, आरोपित ने जीएसटी ने बचने के इरादे से इसे लिया था। सीजीएसटी आयुक्त ने बताया कि अब गिरफ्तार व्यक्तियों की संख्या 17 हो गई है।

आज पं. मोहन भाई राठोड 84वें जन्म महोत्सव पर स्वरांजलि कार्यक्रम

रायपुर (दावा)। वृंदावन हॉल सिविल लाइन, रायपुर में 6 मई संध्या 7 बजे से पं. मोहन भाई राठोड संगीत सेवा संस्थान द्वारा आयोजित पं. मोहन भाई राठोड 84वें जन्म महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वरांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण में पंडित सुधाकर शिवलीकर, भिलाई को वरिष्ठतम संगीत सेवक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2024 दिया जाएगा। साथ ही छत्तीसगढ़ के संगीत जगत के अनुभवि वृद्धजन सम्मान का आयोजन जिसमें लगभग संगीत जगत के 24 अनुभवी वृद्ध संगीत सेवकों का सम्मान भी किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के सभी वरिष्ठ गणमान्य संगीतकारों द्वारा संगीत

जनहित में इसे उपलब्ध कराना, छत्तीसगढ़ में संगीत मैराथन, प्राकृतिक ममायोजन और संगीत पर विशेष कार्य तथा संगीत थेरेपी जैसे नवाचार कार्यो की शुरुआत व उद्घाघटन। पंडित मोहन भाई राठोड जी के संगीत रचनाओं का संरक्षण तथा इसे जनहित व संगीत विद्यार्थियों हेतु उपहार स्वरूप सोशल मीडिया में उच्च गुणवत्ता के साथ प्रचार प्रसारित भी किया जा रहा है।

रायपुर के सभी संगीतज्ञों द्वारा इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। संस्थान के सचिव शुभमय मुखर्जी ने अधिक से अधिक इस संगीत जनहित यज्ञ में शामिल होने की अपील की है।

प्रचंड गर्मी का कहर! छत्तीसगढ़ में 43 डिग्री पार हुआ पारा, मौसम विभाग ने जारी किया

राजनांदगांव (दावा)। तेज गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। एक-दो दिन में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम शुष्क रहने की संभवाना है। कुछ दिनों से तेज गर्मी पड़ रही है। गर्मी के कारण दोपहर में सड़कों पर लोगों की आवाजाही भी कम हो गई है। शाम में ही चहल-पहल ज्यादा दिख रही है। एसी और कूलर भी मई की गर्मी में हांफने लगे हैं। मई महीने में गर्मी और सताएगी। गर्मी से लोगों को राहत दिलाने के लिए शहर के विभिन्न हिस्सों में प्याऊघर की व्यवस्था की गई है। ठंडे पेय पदार्थ और आइसक्रीम की डिमांड बढ़ गई है।

आइसक्रीम की दुकानों में रात तक चहल-पहल दिख रही है। इसके अलावा गन्नारस व मैंगो रस

की दुकानों में भी खासी भीड़ रहती है। होटलों में लस्सी, कोल्ड ड्रिंक व पानी बोतल की खपत भी बढ़ गई है। ज्यादा गर्मी के कारण लोगों की सेहत पर असर पड़ने लगा है। डॉक्टर ने लोगों को ज्यादा पानी पीने और तेज धूप में घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दे रहे हैं। इधर, मौसम विभाग ने 6 मई से यलो अलर्ट जारी किया है। तेज हवा के साथ अंधड़ चलने और हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। मेघायल से दक्षिण छत्तीसगढ़ होते हुए मराठावाड़ा तक द्रोणिका बनी हुई है। जिसके असर से कहीं-कहीं पर छह मई के बाद बारिश भी होने के आसार हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com